सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा दूसरा टेस्ट..... -पेज: 7

पवन कल्याण ने बॉलीवुड को कहा मजाक का पात्र..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 79 | शुक्रवार 27 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

ऑपरेशन सिंदूर रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रमाण, पीएम मोदी ने आर्थिक विकास पर कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को प्रगति की 48वीं बैठक में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का एक सशक्त प्रमाण बताया। केंद्र की प्रगति पहल का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को एकीकृत करके सक्रिय शासन और समय पर क्रियान्वयन को बढ़ावा देना है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने को लेकर कही ये बात एक बयान में कहा गया- प्रधानमंत्री ने विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के अनुकरणीय कार्यों की समीक्षा की।उन्होंने इन पहलों की रणनीतिक महत्ता और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की उनकी क्षमता को सराहा। उन्होंने खनन, रेलवे और जल संसाधन क्षेत्रों में परियोजनाओं की समीक्षा की। आर्थिक विकास और जन कल्याण के लिए महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं की समीक्षा समय सीमा,

पीएम मोदी ने बुधवार को प्रगति की 48वीं बैठक में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का एक सशक्त प्रमाण बताया।

अंतर-एजेंसी समन्वय और समस्या समाधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए की गई। पीएम मोदी ने कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में देरी वित्तीय व्यय को बढ़ाती है और नागरिकों को आवश्यक सेवाओं और अवसंरचना तक समय पर पहुंच से भी वंचित करती है। स्वास्थ्य अवसंरचना के विकास में तेजी लाने का आग्रह किया आगे प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआइएम) की समीक्षा के दौरान, उन्होंने सभी राज्यों से आकांक्षी जिलों के साथ-साथ दूरदराज, आदिवासी और सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य अवसंरचना के विकास में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि गरीबों और वंचितों तक गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवा की समान पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। मोदी सरकार का संकल्प, बनाए रखेंगे लोकतांत्रिक व संघीय भावना को मजबूत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल को मोदी सरकार ने संविधान, लोकतांत्रिक भावना और संघीय ढांचे पर हमले के रूप में याद किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में प्रस्ताव पारित इमरजेंसी की 50वीं बरसी को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में प्रस्ताव पारित कर आपातकाल के विरुद्ध लड़ने वाले बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद करने व सम्मान देने का संकल्प लिया। साथ ही लोकतांत्रिक व संघीय भावना मजबूत बनाए रखने का भी संकल्प लिया। बैठक में मंत्रिमंडल के सदस्यों ने आपातकाल से लड़ने वाले अनगिनत देशवासियों के बलिदान का स्मरण किया। दो मिनट का मौन रखते हुए श्रद्धांजलि दी। कहा कि यह श्रद्धांजलि उन सभी नागरकों के लिए भी है, जिनके संविधान प्रदत्त लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए और जिन्हें अकल्पनीय यातनाओं का सामना करना पड़ा। वर्ष 2025 संविधान हत्या दिवस की 50वीं बरसी है इस अवसर पर पारित प्रस्ताव में कहा गया कि संविधान पर यह प्रहार 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और संपूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के कठोर प्रयास के साथ शुरू हुआ था। वर्ष 2025 संविधान हत्या दिवस की 50वीं बरसी है।

दिल्ली में बैठकर बिहारियों का मजाक उड़ाते हैं और यहां आकर उपदेश देते हैं... राहुल गांधी पर प्रशांत किशोर का वार

बिहार: बिहार चुनाव को लेकर सियासत तेज है। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी जोरों-शोरों से चुनाव प्रचार कर रही है। प्रशांत किशोर भी लगातार अपने विरोधियों पर जमकर निशाना साध रहे है। वहीं, एएनआई से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी ने बिहार के किसी गांव में एक रात भी बिताई है? वो दिल्ली में बैठकर बिहारियों का मजाक उड़ाते हैं और फिर यहां आकर हमें उपदेश देते हैं। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि सीएम बनने के बाद रेवंत रेड्डी ने कहा था कि मजदूर करना बिहारियों के डीएनए में है... वो कहते हैं कि बिहारी मजदूरी करने के लिए पैदा हुए हैं और फिर बिहार में आकर उन्हें उपदेश देते हैं?... राजीव गांधी ने 1989 में गांधी मैदान से घोषणा की थी कि वो बिहार के विकास के लिए 50,000 करोड़ रुपये देंगे... वो पैसे कहां गए?... उसके बाद 15 साल तक कांग्रेस केंद्र में सत्ता में रही। तब उन्होंने बिहार के लिए क्या किया? आगामी बिहार चुनाव में कांग्रेस को कितने वोट मिलने का अनुमान है, यह पूछे जाने पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि जितना लालू जी भीख में देंगे। बिहार में कांग्रेस का कोई स्टैंड नहीं है। यह वो पार्टी है जो पिछले 25-30 सालों से लालू यादव के इशारे पर चल रही है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी में राजनीतिक हिम्मत है तो उन्हें बिहार में अपने दम पर चुनाव लड़ना चाहिए।

उद्धव ठाकरे का आरोप, भाषा के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिश कर रही भाजपा

महाराष्ट्र (एजेंसी): शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा भाषा के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है और सत्तारूढ़ पार्टी पर महाराष्ट्र में 'भाषा आपातकाल' लगाने का आरोप लगाया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी, जो कि भाजपा की पूर्व सहयोगी है, हिंदी के विरोध में नहीं है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि वह निश्चित रूप से मराठी भाषी राज्य में भाषा को थोपे जाने के खिलाफ है। मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को हिंदी पढ़ाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच

उन्होंने जोर देकर कहा, "हम किसी भी भाषा का विरोध या नफरत नहीं करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी भी भाषा को थोपने की अनुमति देंगे।" उन्होंने दावा किया, "भाजपा भाषा के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का छिपा हुआ एजेंडा हिंदी थोपना है। पूर्व सीएम ने दावा किया, "सत्तारूढ़ पार्टी भाषा आपातकाल लगा रही है। महाराष्ट्र में स्कूलों में मराठी और अंग्रेजी के अलावा तीसरी के रूप में हिंदी पढ़ाने को लेकर पैदा विवाद के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य सरकार का इस मुद्दे पर एक के बाद एक बैठकें करने का कदम मराठी का अपमान है। राउत ने पत्रकारों से बातचीत में मराठी साहित्य की प्रमुख शख्सियतों और हस्तियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि इनमें से कई सरकार से जुड़े होने के कारण इस मुद्दे पर बोल नहीं रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई कैबिनेट मंत्रियों और साहित्यिक हस्तियों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ते हैं, इसलिए उनके पास मराठी के संरक्षण के बारे में बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

इटावा में यादव कथावाचक से बदसलूकी मामला : अखिलेश यादव ने सीएम मोहन से कर दी ये अपील

भोपाल (एजेंसी): उतरप्रदेश के इटावा में यादव कथावाचकों से बदसलूकी का मामला तूल पकड़ चुका है। मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से अपील की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को एक दिन का समय निकालकर दोनों परिवारों से मिलने के लिए अपील की है। अखिलेष यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने आप को यादव कहते हैं। वो मध्य प्रदेश से वो दिन का समय निकाले और जिनका सर घुटाया है, जिन पर पेशाब डाली गई है,जिनकी चुटिया काटी गई है, उस परिवार से जरूर मिलें और जिन्होंने ऐसा किया है। उस परिवार से भी मिलें। दोनों

परिवारों से मिलें। मैं यह नहीं कहता हूं कि एक ही परिवार से मिलें। जहां पर कथा हो रही थी उस परिवार से भी मिलें और जो कथा कहने गए थे उनसे भी मिलें। ये है पूरा मामला इटावा में एक कथावाचक के साथ मारपीट की गई है। कथावाचक का आरोप है कि वह भागवत कथा कहने आए थे, लेकिन कुछ लोगों ने इसका विरोध किया, जाति पूछी और यादव होने पर मारपीट की। घटना का एक वीडियो भी वायरल है, जिसमें कथावाचक का सिर मुड़वाकर महिला का पैर छूकर नाक रगड़वाया जा रहा है। हालांकि इस घटना में अब नया मोड़ आया है। दरअसल, जिस भागवत कथा में यादव कथावाचकों के साथ बदसलूकी हुई थी, उस भागवत कथा में शामिल हुई महिला रेनू तिवारी ने कथावाचकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रेनू वहीं महिला है, वायरल वीडियो में जिनके पैर कथावाचक छूते हुए और माफी मांगते भी नजर आ रहे हैं। मामले में रेनू के पति जयप्रकाश तिवारी ने बताया कि हम दोनों हरिद्वार में रहते हैं और प्राइवेट नौकरी करते हैं। हम दांदरपुर गांव में कथा सुनने आए थे। घटना के दिन कथावाचकों ने मेरी पत्नी के साथ बदतमीजी की, तो हम सब लोगों ने उनका विरोध किया। इस दौरान कथावाचकों ने हमें धमकाया और धमकी दी कि उनका संबंध एक राजनीतिक पार्टी और उसके नेता से है। तुम्हें घर से उठवा लेंगे। बाद में पता चला कि ये लोग यादव बिरादरी से हैं।

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी, किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिंदी किसी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और देश में किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार के आधिकारिक भाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने सभी राज्य सरकारों से चिकित्सा और इंजीनियरिंग शिक्षा स्थानीय भाषा में प्रदान करने की पहल करने भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सभी राज्य सरकारों को प्रशासनिक कामकाज में भारतीय भाषाओं का उपयोग करने में मदद करेगा। गृह मंत्री ने कहा, ह्यह्यमेरा पूर्ण विश्वास है कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है।" शाह ने कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं मिलकर देश की संस्कृति के स्वाभिमान को

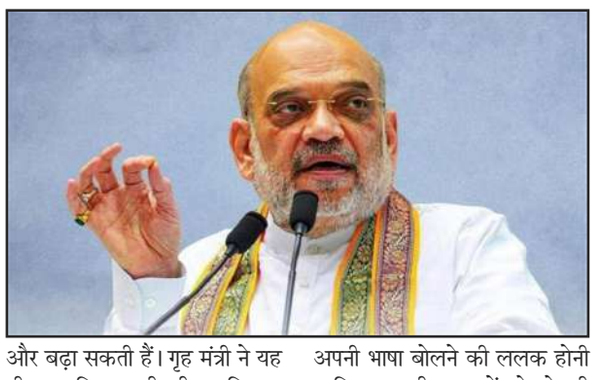

और बढ़ा सकती हैं। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि गुलामी की मानसिकता से सभी को मुक्ति मिलनी चाहिए और जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेगा या अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेगा, तब तक वह व्यक्ति गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ह्यह्यकिसी भाषा का विरोध नहीं है। किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। लेकिन अपनी भाषा का गौरव बढ़ाने की ललक होनी चाहिए, अपनी भाषा बोलने की ललक होनी चाहिए, अपनी भाषा में सोचने की ललक होनी चाहिए।" शाह ने कहा कि जहां तक देश का सवाल है, भाषा सिर्फ संचार का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र की आत्मा है। शाह ने कहा, ह्यह्यभारतीय भाषाओं को जीवंत रखना और उन्हें समृद्ध बनाना महत्वपूर्ण है। हमें आने वाले दिनों में सभी भारतीय भाषाओं, विशेषकर राजभाषा के लिए हरसंभव प्रयास करने चाहिए।"

देश में अघोषित आपातकाल जैसा माहौल, भाजपा सरकारें लोकतंत्र की हत्या कर रही हैं : अशोक गहलोत

राजस्थान (एजेंसी): राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश में लोकतंत्र का सबसे अधिक ह्रास पिछले 11 साल में हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के मौजूदा हालात अघोषित आपातकाल जैसे हैं। भाजपा और उसके नेतृत्व वाली सरकारों द्वारा आपातकाल की बरसी को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाए जाने पर कटाक्ष करते हुए गहलोत ने एक्स पर लिखा, भाजपा सरकारों द्वारा संविधान हत्या दिवस मनाना ऐसा है जैसा किसी बेईमान व्यक्ति का ईमानदारी पर ज्ञान देना। इस देश में यदि लोकतंत्र का सबसे ज्यादा ह्रास हुआ है तो वह पिछले 11 सालों में हुआ है। गहलोत के अनुसार, भारत में आज जो हालात हैं, उसे सिर्फ दो शब्दों में बयां किया जा सकता है "अघोषित आपातकाल", क्योंकि अभी ना संविधान निलंबित किया गया है, ना राष्ट्रपति ने घोषणा की है, लेकिन जनता के हक, बोलने की आजादी, और विपक्ष की आवाज दबाने

का प्रयास लगातार जारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के कहा, आज स्थिति ऐसी है कि पत्रकार अगर सवाल पूछे तो देशद्रोही, छात्र अगर विरोध करें तो आतंकवादी, विपक्षी नेता अगर सरकार का विरोध करें तो ईडी का शिकार। क्या यही है भाजपा सरकार के लोकतंत्र का नया मॉडल? असल में लोकतंत्र की हत्या यही है। उन्होंने दावा किया कि आपातकाल के दौरान किसी भी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार नहीं किया गया था और न ही किसी की संसद सदस्यता रद्द की गई थी परन्तु भाजपा सरकार में झारखंड के मुख्यमंत्री, दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया गया, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कर दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष के 200 से अधिक नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से कार्रवाई की गई जबकि इनमें से कई नेता जब भाजपा में गए तो कार्रवाई बंद हो गई। उन्होंने दावा किया, आपातकाल के दौरान किसी भी राज्य में विधायकों की खरीद फरोख्त कर सरकार नहीं गिराई गई परन्तु पिछले 11 साल में मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर समेत तमाम राज्यों में विधायकों की खरीद-फरोख्त कर जनमत को चुराया गया और सरकारें गिराईं गईं। गहलोत ने आरोप लगाया, विपक्षी लोगों के फोन टैप करना, उनकी जासूसी करना इस सरकार का शौक है। आज पूरे देश में पति-पत्नी तक नॉर्मल कॉल पर बात करने से डरते हैं और फेसटाइम एवं वॉट्सऐप पर बात करते हैं। हर किसी को ये डर है कि उनकी बातचीत कोई सुन तो नहीं रहा। केंद्र सरकार पर तानाशाही करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, संवैधानिक प्रावधान को माना नहीं जा रहा है। राज्य सूची के विषयों पर केन्द्र सरकार कानून बनाकर तानाशाही से लागू कर रही है। जहां भाजपा की सरकारें हैं

एससीओ शिखर सम्मेलन जिसमें राजनाथ सिंह ने चीन-पाक को दिखाया आईना, कैसे भारत बना था सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर बेनकाब करने का काम किया। पाक पर कटाक्ष करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि आतंकवाद के अपराधियों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराना ही होगा और इससे निपटने में "दोहरे" मापदंड नहीं होने चाहिए। बैठक के दौरान पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की मौजूदगी में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखा। इसके साथ ही उन्होंने मीटिंग के बाद एससीओ के जॉइंट डॉक्यूमेंट पर साइन करने से मना कर दिया, क्योंकि इसके बहाने चीन और पाकिस्तान, भारत को घेरने की फिराक में थे। चीन और पाकिस्तान बलूचिस्तान का जिक्र ज्वाइंट स्टेटमेंट में करने के फिराक में थे लेकिन भारत में हुए पहलगाम हमले का जिक्र नहीं किया। इसके बाद भारत ने मजबूती से अपनी बात रखते हुए पाकिस्तान और चीन दोनों को जमकर धोया। शंघाई सहयोग संगठन क्या है? शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) दस सदस्य देशों का एक यूरेशियन राजनीतिक, आर्थिक, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा और व्यापार संगठन है। इसकी स्थापना 2001 में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस और

ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की ओर से की गई थी। साल भारत और पाकिस्तान भी एससीओ की सदस्य हो गए थे। ईरान जुलाई 2023 में और बेलारूस जुलाई 2024 में इस संगठन में शामिल हुआ। एससीओ का असली मकसद क्या है? एससीओ का कहना है कि इसका एक अहम मकसद तीन बुराइयों से

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को बेनकाब किया, आतंकवाद के अपराधियों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने की बात कही।

निपटना है। एससीओ के मुताबिक, ये तीन बुराइयां यानी आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद है। लेकिन इसका शुरूआती मकसद कुछ और था। अप्रैल 1996 में शंघाई में हुई एक बैठक में चीन, रूस, कजाकस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान आपस में एक-दूसरे के नस्लीय और धार्मिक तनावों से निपटने के लिए सहयोग करने पर राजी हुए थे। तब इसे शंघाई-फाइव के नाम से जाना जाता था। इसी संगठन का विस्तार आगे जाकर एससीओ के तौर पर हुआ। शंघाई-फाइव ने अपने मकसदों को महज तीन साल में ही हासिल कर लिया था। इसके बाद संगठन शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन बनाया गया और नए लक्ष्यों को तय किया गया। इसके बाद इस संगठन ने आतंकवाद से लड़ने को अपना नया लक्ष्य बनाया और इस में काफी हद तक नाकाम रहा है। भारत कैसे बना था सदस्य? भारत 2005 से एससीओ का ऑबर्जर था, लेकिन साल 2017 में भारत और पाकिस्तान को एससीओ का सदस्य देश बना दिया गया। विश्व मामलों की भारतीय परिषद के अनुसार, 2010 के बाद से एससीओ के साथ भारत की भागीदारी में धीरे-धीरे बढ़ती चली गई। इसके अलावा, आर्थिक, ऊर्जा, संपर्क और सुरक्षा हित भारत को एससीओ की ओर ले जा रहे हैं। इसमें भारत के मध्य एशियाई क्षेत्र में क्षमता निर्माण, यूरेशियन क्षेत्र के साथ संपर्क, आतंकवाद और मादक पदार्थों के खिलाफ अंदरूनी लड़ाई, और ऊर्जा सहयोग भी अहम लक्ष्य थे।

संपादकीय

खतरे की घंटी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस्राइल-ईरान के दरम्यान अस्थाई युद्धविराम के राजी होने के ऐलान के कुछ देर बाद ही हमले पुनः चालू हो गए। ईरानी सेना का आरोप है कि ऐलान के कुछ देर बाद ही इस्राइल की तरफ से हवाई हमलों की बौझार शुरू हो गई जिसमें चार की जान गई जबकि इस्राइल का कहना है कि ईरान की तरफ से दो मिसाइलें दागी गई जिन्हें उसने निष्क्रिय कर दिया। हालांकि ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल अपने लड़ाकू विमान वापस बुलाएगा और वह ईरान में शासन परिवर्तन की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। परंतु हमलों के जारी रहने के बाद देर शाम अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट से पता चला कि परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों से ईरान का कार्यक्रम नष्ट नहीं हुआ है जबकि व्हाइट हाउस ने खंडन करते हुए इसे पूरी तरह गलत कहते हुए इसे ट्रंप को नीचा दिखाने का प्रयास बताया। रिपोर्ट के अनुसार कुछ ढांचे नष्ट या क्षतिग्रस्त हुए हैं। मगर ज्यादातर सेंट्रीफ्यूज सुरक्षित हैं। शीर्ष अधिकारी पहले ही दावा कर रहे थे कि ईरान ने संवर्धित यूरेनियम का कुछ हिस्सा अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया था। ट्रंप इसे फेक न्यूज बता रहे हैं। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने एक न्यूज चैनल से कहा, यह देशद्रोह है, इसकी जांच होनी चाहिए। हमलों के बावजूद इस्राइल और ईरान के मीडिया अपने-अपने देशों की विजय का दावा कर रहे हैं। ईरान पहले ही अमेरिका को चेता चुका था। तनाव की स्थिति में कहना जल्दबाजी होगी कि खतरा टल गया है। इराक, बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन, सीरिया, कतर जैसे देशों में अपने सैन्य अड्डे ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज में आने के कारण अमेरिका के लिए चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। वास्तव में यदि दोनों पक्ष युद्धविराम का उल्लंघन करने पर तुले हैं तो यह योजनाबद्ध प्रतिशोध वैश्विक चेतावनी का सूचक है। ट्रंप के ट्रुथ सोशल पर लिखने, कि इस्राइल बम मत गिराओ इसे उल्लघंन माना जाएगा, को इतिहास में अमेरिका की तरफ से सबसे कड़ी फटकार मानी जा रही है। परंतु इस सारे मसले में अमेरिका को स्वार्थ त्याग कर स्पष्ट रूप से विश्व शांति के प्रयास करने चाहिए। अगर वह महाशक्ति है तो चीन/रूस भी अपने कदम पीछे लौटाने की बजाए संघर्ष को प्राथमिकता देंगे। ट्रंप के आलोचक उनके इस कदम को न सिर्फ जोखिम भरा कह रहे हैं, बल्कि युद्ध शक्ति अधिनियम का उल्लंघन भी ठहरा रहे हैं। बेशक, खतरा टला नहीं है।

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था।......

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम स्वंय हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो।

ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

आवश्यकता है
आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।
9456884327/8218179552

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी

संजय गोस्वामी

पेंटागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ने ईरान पर जो अभियान चलाया था, उसका नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है।इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था । जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं। सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इस्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डो और नतांज में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फ़हान में एक सुविधा को निशाना बनाया गया, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों का संचालन करती है। नतांज और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं। अमेरिका ने नातान्ज और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फहान पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर कोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिजाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है। यह सुविधा लगभग 54,000 वर्ग फीट में फैली हुई है और माना जाता है कि इसमें 3,000 सेंट्रीफ्यूज हैं। 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना की शर्तों के तहत, ईरान को फोर्डो में संवर्धन गतिविधियों का संचालन करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। बी-2 बमवर्षक विमान जमीन से 200 फीट नीचे तक बहुत ही आक्रामक होता है, चाहे वह स्टील हो या कंक्रीट अब जबसिजफायर की घोषणा हुई है तो शांति से काम लेना चाहिएदूसरे देश ईरान पर युद्ध के लिए दबाव बना रहे हैं कि ईरान को परमाणु बम मिल जाएगा जिससे तनाव का माहौल बन रहा है। ट्रंप ने जो भी कहा है कि इजरायल उसके खिलाफ कभी कुछ नहीं करेगा। ईरान को परमाणु बम मिलने पर पूरी तरह से ईरान आक्रामक पूरी तरह से आक्रामक हो गया हैजिससे आम जनता को नुकसान हो रहा है 1960 के दशक की शुरूआत में, राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी को एक जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसने उनके प्रशासन को इजरायल की गुप्त परमाणु महत्वाकांक्षाओं में उलझा दिया। इस संघर्ष के केंद्र में इजरायल का परमाणु हथियार कार्यक्रम था, जिसका जेकेएफ (खत्र्ङ) ने कड़ा विरोध किया, खासकर यह पता चलने के बाद कि देश अत्यधिक संदिग्ध परिस्थितियों में संयुक्त राज्य अमेरिका से यूरेनियम प्राप्त कर रहा था। इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और चुराए गए यूरेनियम का मामला दशकों से साज़िश और संदेह का स्रोत रहा है, कुछ विशेषज्ञों ने तो यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के परमाणु विकास के प्रति कैनेडी के विरोध ने 1963 में उनकी दुखद हत्या में योगदान दिया हो सकता है। परमाणु प्रसार पर कैनेडी की स्थिति अडिग थी। उन्होंने परमाणु हथियारों के प्रसार को वैश्विक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा, और इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाएं उनके लिए एक बड़ी चिंता का विषय थीं। राष्ट्रपति ने इजरायल सरकार पर अपने गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव डालने की कोशिश की, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (क्ठ्ठएअ) द्वारा इजरायल की डिमोना परमाणु सुविधा के संस्थागत, नियमित निरीक्षण के लिए दबाव डाला। यह न केवल एक कूटनीतिक चिंता थी बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था।

देश की एकता व अखंडता के लिये खतरनाक है भाषाई विवाद

निर्मल रानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेजी को रोजगार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेजी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमजोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नजरों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेजी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेजी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चचाओं में प्रायः अंग्रेजी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेजी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेजी उनकी काबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेजी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेजी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेजी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेजी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद जरूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेजी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेजी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेजी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेजी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में खासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेजी भाषा को शर्म वाली भाषा तो हरगिज नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेजी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेजी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है । डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेजी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमजोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेजी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है। इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नजरअंदाज करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेजी बोलने वालों को हमेशा इज्जत की नजर से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा,उपयोग की वस्तुयें,क्रॉकरी,मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीजों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे ? इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओँ का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण जरूर बढ़ सकता है। खासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद खतरनाक है।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब ह्वलोकतंत्र की जननीह्व कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत ह्वआंतरिक अशांतिह्व के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया।

इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरूआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है– को संविधान की ह्वआत्माह्व कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था।

इस कालखंड में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोजमर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया।

उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वे राजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बबार्दी की गई। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर था और मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिए गए–जबकि ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दशार्ती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु काम करने के लिए विवश कर दिया गया था।

ऐसे दौर में जबकि सामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, तब जनता के पैसों से किए गए ऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दशार्ते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था।

आपातकाल के दौरान संविधान में सरकार के तानाशाही रवैये की पुष्टि करने वाले संशोधन किए गए जिससे लोकतंत्र की आत्मा को गहरी चोट पहुंची और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न अंगों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई। संविधान में 38वां संशोधन करके आपातकाल की घोषणा की समीक्षा करने में न्यायालय की भूमिका समाप्त कर दी गई तथा अध्यादेश जारी करने के मामले में राष्ट्रपति व राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए गए। इसके तुरंत बाद 10 अगस्त 1975 को लागू किए गए 39वें संविधान संशोधन द्वारा से न्यायालयों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष जैसे उच्च पदों से जुड़े चुनावी मामलों की न्यायिक समीक्षा करने से रोक दिया गया। यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री के विरूद्ध दिए गए निर्णय के बाद श्रीमती गांधी को न्यायालय के प्रति जबावदेही से बचाने की एक सोची-समझी चाल थी। ऐसा करके न्यायपालिका की स्वतंत्रता को जानबूझकर कुचला गया। इस संविधान संशोधन के बाद ह्यए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्लाह्व के मामले की काफी चर्चा हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित करने के निर्णय को सही ठहराया था। उस मामले में न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना ही अकेले न्यायाधीश थे जिन्होंने उस निर्णय से अपनी असहमति जताई थी और नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन किया था। बाद में श्री खन्ना को वरिष्ठतम होने के बावजूद भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और ऐसा करना न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार था। आपातकाल के दौरान श्रीमती गांधी की सत्तालोलुपता का एक दूसरा उदाहरण 42वें संविधान संशोधन करना था जिसके माध्यम से लोकसभा का कार्यकाल पाँच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया। ऐसा करके लोकतंत्र में जनादेश की गरिमा को और अधिक कम किया गया और आम चुनाव कराए बिना सरकार के कार्यकाल को बढ़ा दिया गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान की उद्देश्यिका में तीन नए शब्द सामाजिक, पंथनिरपेक्ष और अखंडता जोड़े गए और ऐसा करके मूल संविधान से छेड़छाड़ की गई। आपातकाल के दौरान सरकार द्वारा 48 अध्यादेश जारी किए गए और इन्हें पारित करने में संसद में चर्चा, विधेयकों की जांच-पड़ताल और संशोधन करने की प्रक्रिया की अनदेखी की गई। आपातकाल के बाद गठित शाह आयोग ने इतिहास के उन काले दिनों के दौरान ढेर सारे लोगों को बेवजह नजरबंद करने, गरीबों की जबरन नसबंदी करने और सत्ता के संस्थागत रूप से दुरूपयोग की भयावह तस्वीर प्रस्तुत की थी।

इस तानाशाही शासन के दौरान लोकतंत्र के चौथे स्तंभ प्रेस का भी गला घोंटा गया। जो पत्रकार सहानुभूतिपूर्वक विपक्षी नेताओं की खबरों को प्रकाशित कर रहे थे उन्हें जेल भेजा गया। महात्मा गांधी द्वारा स्थापित सम्मानित नवजीवन प्रेस को जब्त कर लिया गया, यह स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत पर सीधा हमला था। चार प्रमुख समाचार एजेंसियों–प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान समाचार और समाचार भारती–को जबरदस्ती मिलाकर समाचार नामक एक संस्था बना दी गई। आज, 50 वर्ष बाद, कांग्रेस की दोहरी मानसिकता उजागर हो चुकी है–एक ओर वे ह्यसंविधान बचाओ यात्राह्व के नाम पर भ्रम फैलाते हैं, दूसरी ओर अपने पूर्वजों द्वारा किए गए संविधान के अपमान पर चुप रहते हैं। श्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को लोकसभा में भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के इस भयावह काले अध्याय के बारे में गर्व से कहा, ह्वआपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था।ह्व यह कथन यह दशार्ता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता सर्वोच्च है। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी उस समय मात्र 25 वर्ष के थे, लेकिन उन्होंने साहसपूर्वक इस तानाशाही शासन का विरोध किया। उन्होंने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग नामों से भूमिगत रहकर गुप्त बैठकों का आयोजन किया और आपातकाल विरोधी साहित्य व पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन एवं वितरण में यत्न से जुटे रहे। जब आरएसएस को प्रतिबंधित कर दिए जाने के कारण इसे भूमिगत होना पड़ा तब मोदी जी ने गुजरात लोक संघर्ष समिति के महासचिव के रूप में लोकतंत्र की रक्षा हेतु अहम भूमिका निभाई।

विगत में संविधान की आत्मा पर किए गए गहरे प्रहार की याद में मोदी सरकार ने 11 जुलाई 2024 को जारी की गई गजट अधिसूचना के माध्यम से 25 जून का दिन ह्यसंविधान हत्या दिवसह्व के रूप में मनाने की घोषणा की। यह दिन उस विश्वासघात की याद दिलाता है जो आपातकाल के दौरान संविधान के मूल सिद्धांतों के साथ किया गया था। यह प्रत्येक नागरिक को लोकतंत्र का जागरूक प्रहरी बनने की प्रेरणा देता है, ताकि हम इतिहास के उन काले अध्यायों से सीख प्राप्त करें और हम काफी यत्न से प्राप्त की गई स्वतंत्रता के मूल्यों की रक्षा कर सकें। देश में आपातकाल का काला अध्याय 50 वर्ष पहले समाप्त हो गया है लेकिन वह भयावह दौर हमें इस बात की याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमें हमेशा सजग प्रहरी बने रहने की आवश्यकता है। हमारा संविधान पीढ़ियों की कुर्बानियों, बुद्धिमत्ता, आशाओं और आकांक्षाओं का परिणाम है। आज जब भारत हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में ह्यविकसित भारत @ 2047ह्व की ओर अग्रसर है, तो हमें एक जीवंत और विकसित लोकतांत्रिक राष्ट्र के निर्माण हेतु अपने नागरिकों के संकल्प से सामर्थ्य प्राप्त कर राष्ट्र की पवित्रता की रक्षा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को एक बार फिर से दोहराने की आवश्यकता है।

(केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार)

शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे है: खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिला उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस जिले के विकास खण्ड अमरोहा में उत्तर प्रदेश सरकार की बेसिक परिषदीय योजनाओं को लेकर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। और इस प्रगति के पीछे एक प्रमुख नाम है खण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) सोनू कुमार, उनकी मेहनत और समर्पण ने क्षेत्र की शैक्षिक व्यवस्था को नई दिशा दी है। जिसके कारण सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर सुधर रहा है। और बच्चों का भविष्य उज्जवल हो रहा है। सोनू कुमार ने अपने कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार और सुधार लागू किए हैं। जिन्होंने ब्लॉक को निपुण बनाने का काम किया है। उनकी प्राथमिकता हमेशा से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देना रहा है। उन्होंने विकास खण्ड अमरोहा के सरकारी स्कूलों में शिक्षण प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यशालाएँ, शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना और स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का विकास शामिल है।

सोनू कुमार का मानना है कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया है, जिसमें खेल, कला, और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ शामिल हैं। उनके नेतृत्व में कई स्कूलों में खेल सुविधाओं को बेहतर किया गया है। और बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे न केवल बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनकी रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता में भी सुधार हुआ है। उनके प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना भी रहा है। सोनू कुमार ने सरकारी स्कूलों में डिजिटल क्लासरूम की स्थापना पर विशेष ध्यान दिया है। कई स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड और इंटरनेट सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। जिससे बच्चों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए वरदान साबित हुई है। जो पहले ऐसी सुविधाओं से वंचित थे। सोनू कुमार ने स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए भी कई प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने अभिभावकों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की हैं। जिसमें शिक्षा के महत्व को समझाया जाता है। इसके अलावा, लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाए गए हैं। उनके इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, विकास खण्ड अमरोहा के स्कूलों में नामांकन दर में वृद्धि हुई है। और ड्रॉपआउट दर में कमी आई है। सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना भी उनकी रणनीति का एक हिस्सा रहा है। सोनू कुमार ने स्थानीय समुदाय, गैर-सरकारी संगठनों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर स्कूलों के लिए संसाधन जुटाने और शैक्षिक गतिविधियों को समृद्ध करने का कार्य किया है। उनके इन प्रयासों ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में सुधार किया है, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसित किया है। सोनू कुमार का यह समर्पण और नवाचार शिक्षा के क्षेत्र में एक मिसाल बन गया है। उनके कार्यों ने न केवल विकास खण्ड अमरोहा, बल्कि पूरे जिले में शिक्षा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाया है। उनकी इस मेहनत से आने वाली पीढ़ियाँ निश्चित रूप से लाभान्वित होंगी और शिक्षा के क्षेत्र में अमरोहा एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिल के साथ दो साथियों को किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना:- चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। जनपद सम्भल थाना बहजोई पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद सम्भल में 25 जून को कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाये गये अभियान में निम्नलिखित कार्यवाही की गयी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 13 जून को थाना बहजोई पर कुलदीप कुमार के द्वारा तहरीरी सूचना अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोटरसाइकिल नं0 यूपी 38 वी 5262 को चोरी कर ले जाना के सम्बन्ध में थाना बहजोई पर मुकदमा पंजीकृत किया गया तथा 18 जून को थाना बहजोई पर गुरुदेव की तहीरी सूचना अज्ञात व्यक्ति द्वारा वादी की मोटरसाइकिल नं0 यूपी 38 एजे 5424 को चोरी कर ले जाना के सम्बन्ध में पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। 25 जून को थाना बहजोई पुलिस टीम द्वारा गस्त व चैकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान अभियुक्त 1. अनवर, 2. साहिल को बहजोई-इस्लामनगर रोड जनपद बैरियर के पास से चोरी गयी मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की निशादेही पर थाना बहजोई जनपद सम्भल में चोरी गयी मोटर साईकिल हीरो स्पलेण्डर प्लस नं0 यूपी 38 वी 5262 को इस्लामनगर बहजोई रोड पर मिजार्पुर गाँव से आगे एक बंद पड़े ईंट के भट्टे से बरामद किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर उपरोक्त मुकदमों में धारा 317 बीएनएस की वृद्धि की गयी है।

न्यायालय परिसर की सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के लिए पुलिस अधिक ने कराई मॉक ड्रिल, दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना) :- जनपद न्यायालय परिसर की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर न्यायालय परिसर में ए.एस. चेक टीम, डॉग स्कवॉड, स्वॉट टीम,अग्निशमन टीम द्वारा संदिग्ध वाहन व्यक्तियों/ वाहनों/ वस्तुओं की सघन चैकिंग कराई गई । न्यायालय परिसर में आवागमन करने वाले व्यक्तियों से आने-जाने का कारण, पूछताछ एवं तलाशी ली गयी। न्यायालय परिसर में लगे मेटल डिटेक्टर, स्कैनर मशीन, सीसीटीवी कंट्रोल रूम आदि सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया गया। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे, DFMD, HHMD U हैण्ड सेट की उपलब्धता व क्रियाशीलता को चेक किया गया । आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु मॉक ड्रिल किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक न्यायलय सुरक्षा विनय कुमार, अग्निशमन दल प्रभारी रजा हुसैन, ए0एस0चैक टीम प्रभारी सतीश चौधरी, स्वान दल टीम प्रभारी सन्नी राणा आदि पुलिसकर्मी उपस्थित रहे ।

रात के समय में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने लाने के लिए वाहनों पर लगाए गए रिफ्लेक्टर टेप

संभल(सब का सपना):- एडवोकेट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (ATI) एवं ट्रैफिक विभाग, जनपद सम्भल के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। जिससे रात्रिकालीन समय में चलने वाले वाहनों की दृश्यता बढ़ाई जा सके। यह अभियान विशेष रूप से उन वाहनों पर केंद्रित रहा जो प्रायः रात्रि में दुर्घटनाओं का शिकार बनते हैं, जैसे कि ट्रैक्टर-ट्रॉली, ठेला, ई-रिक्शा, साइकिल व दोपहिया वाहन। रिफ्लेक्टर टेप लगाने से अन्य वाहनों को दूर से ही उनका आभास हो सकेगा, जिससे टक्कर जैसी घटनाओं में स्पष्ट रूप से कमी आएगी। इस पहल का उद्देश्य है सड़क पर सुरक्षा, हर जीवन की रक्षा। इस अभियान से न केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी बल्कि सड़क उपयोगकताओं में जागरूकता भी फैलेगी। एडवोकेट ट्रस्ट ऑफ इंडिया एवं ट्रैफिक पुलिस सम्भल का यह संयुक्त प्रयास समाज में सुरक्षा की भावना जागृत करेगा और सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जनमानस को प्रेरित करेगा। इस अवसर पर यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान, हेड कांस्टेबल सोनू एवं एडवोकेट नितिन राघव एडवोकेट आमिरखान मुदित शर्मा, शिवम शर्मा, सावन शर्मा, ओंकार एडवोकेट, शगुन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बिल्डर्स के खिलाफ गैरजमानती वारंट किए जारी

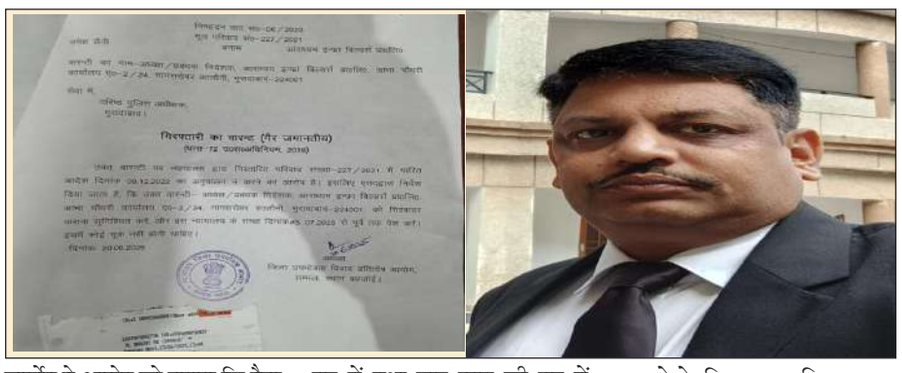

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- चंदौसी निवासी उमेश कुमार सैनी ने आराध्यम इंफ्रा बिल्डर्स मुरादाबाद से उनके द्वारा चलायी गई एक योजना में सन 2016 में एक 70 गज का भू खण्ड 200000 दो लाख रुपए में क्रय किया तब उमेश सैनी ने अपने द्वारा क्रय किए गए भू खण्ड के बैनामा की बात की तो उन्होंने विभिन्न कार्यों को बताते हुए उनसे 70000 सत्तर हजार रुपए और जमा कराए जिन्हें उमेश सैनी द्वारा जमा कर दिया परन्तु बिल्डर ने भू खण्ड का बैनामा नहीं किया तो उन्होंने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया और एक परिवाद जिला उपभोक्ता आयोग सम्भल में डाला जहां कोर्ट द्वारा आराध्यम इंफ्रा बिल्डर्स मुरादाबाद को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया परन्तु उनकी ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय ने आयोग को बताया कि पैसा जमा करने के उपरांत भी विपक्षी द्वारा भू खण्ड का बैनामा नहीं किया जा रहा है जिस कारण उमेश सैनी द्वारा जमा किया गया धनराशि मय ब्याज सहित दिलायी जाए। तब आयोग ने एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए विपक्षी को आदेश दिया कि वादी की जमा धनराशि 270000रु मय 6% वार्षिक ब्याज सहित अंदर दो माह में अदा करें तथा 20000रु मानसिक कष्ट व आर्थिक हानि की मद में तथा वाद व्यय की मद में 5000रु भी अदा करे नियत अवधि में धनराशि अदा न करने पर ब्याज की दर 9% वार्षिक देय होगी। बिल्डर द्वारा आदेश का अनुपालन न करने पर पुनः आयोग में अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय ने आदेश का समय से अनुपालन न करने की शिकायत दर्ज कराई गई। तब आयोग ने विपक्षी बिल्डर को तलब कर आदेश का अनुपालन न करने का कारण जानने के लिए तलब किया परन्तु कोई उपस्थित नहीं हुआ। जिस पर आयोग द्वारा आराध्यम इंफ्रा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष/ प्रबंध निदेशक के विरुद्ध गैर जमानतीय वारंट जारी किए हैं। जिसके लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद को निर्देश दिया गया है कि वह वारंटी को गिरफ्तार कर दिनांक 3/7/2025 अथवा इससे पूर्व आयोग में पेश करे।

सपा कार्यकताओं ने मनाई राजषि छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती...

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की बैठक कैम्प कार्यालय बहजोई पर सम्पन्न हुई बैठक में राजषि छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती मनाई गई। बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी एवं पदाधिकारी सामानित कार्यकताओं ने राजषि छत्रपति शाहूजी महाराज जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा राजषि छत्रपति साहू जी महाराज भारत के इतिहास में समाजिक क्रन्ति के अग्रदुत आरक्षण के जनक शोषित वंचित दलित अल्पसंख्यक पिछड़े की शिक्षा की पहल करने वाले थे उन्होंने रूढ़िवादी परम्परायो और छुआ छुत को समाप्त करने का काम किया। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कल गोरखपुर में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे जी पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने हमला किया जो संविधान विरोधी है भारतीय जनता पार्टी आज बौखला रही है पी डी ए परिवार आने वाले 2027के विधानसभा चुनाव में जनता मुंह तोड जवाब देगी कृष्ण मुरारी शंखधार जिला महासचिव ने कहा राजषि छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता आज यह संकल्प ले की समाज से कुरीतियों छुआछूत को खत्म करने का काम करेंगे पीडीएफ परिवार को मजबूत करेंगे बैठक को सम्बोधित लड्डन मियां उमेश यादव विधानसभा अध्यक्ष शोभित कुमार काका सद्दाम कुरेशी चेतन गुप्ता पूरन लाल मौर्य राजेश कुमारी शारदा यादव ओम प्रकाश प्रजापति
कामरेड रेवाराम संजय मदान सत्यवीर सिंह यादव बलवंत सिंह जाटव रामनिवास दिवाकर अशोक कुमार अशोक राणा रवि यादव पप्पू शर्मा निसार अहमद शारूख खान कादिर राना जितेन्द्र जाटव मनोज शर्मा डॉ होराम सिंह जाटव रिंकु बाल्मीकि रजत यादव लवकुमार यादव मुकेश यादव गुड्डू वकील साहब आस मौ सौराज सिंह यादव राजवीर सिंह यादव डा जरीफ अहमद उस्मानी साबिर खान नजाकत अली आसिफ आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में नशा मुक्त भारत अभियान की दिलाई शपथ

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कलेक्ट्रेट सभागार में नशा मुक्त भारत अभियान पखवाडा के अंतर्गत शपथ दिलाई। शपथ दिलाते हुए उन्होंने कहा कि हमे अहसास है कि हमारे देश में, विशेष रूप से युवाओं के बीच नशीली दवाओं का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा है और ये चिंता का विषय है। हम शपथ लेते हैं कि हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम में सहयोग करेंगे। हम यह वचन देते है कि किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक अथवा अवैध पद्रार्थों का सेवन नहीं करेंगे। हम प्रत्येक व्यक्ति, विशेषतः युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूकता पैदा करेंगे। ताकि भारत का युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन-यापन कर सके और वे समाज के रचनान्नक एवं महत्वपूर्ण सदस्य बन सके। आज हम प्रतिमा करते हैं कि नशे से दूर रहेंगे और स्वस्थ जीवन-यापन करेंगे। इस अवसर पर जिला आबकारी अधिकारी सहित कलेक्ट्रेट परिसर के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की गयी। जिसमें संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी, रमेश कुमार चौबे सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), शैलेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग, डा० सुनील गुप्ता, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी हापुड़, निशांत, टी० एस० आई०नरेश कुमार, एन०एच०ए० आई० गाजियाबाद से प्रिन्स चौहान, एन०एच०ए० आई० मुरादाबाद से जयवर्धन सिंह, एन०एच० ए० आई० गाजियाबाद से मनीष पाण्डे,आशुतोष उपाध्याय यात्री / मालकर अधिकारी,संदीप सिंह, संजय कुमार, सहायक अभियंता हापुड़,मुकुल नागपाल सहायक अभियंता, अधिशासी अधिकारी हापुड़, डा० शैलेन्द्र कुमार ०डी० आई० ओ० एस०, मौ० दानिश कुरैशी चैयरमैन, निशांत राजपूत रोल आउट मैनेजर एन0आई0सी, डा० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम वेलफेयर सोसायटी आदि ने प्रतिभाग किया । जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जो भी अपंजीकृत ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं अथवा थाने में निरूद्ध है, उन्हें कमेटी बनाकर स्कैप करा दिया जाये। सभी ब्लैक स्पॉटस पर एक सप्ताह में जो भी कार्य होने हैं, पूर्ण किया जाये। ई-रिक्शा के मार्गों का निर्धारण कराया जाये। स्कूली वाहनों का शत-प्रतिशत फिटनेस करा कर ही संचालन हो, जो भी अवैध विज्ञापन/फ्लैक्सी लगे हैं, उन्हें तत्काल हटाया जाये। जनपद में जहां भी टी जंक्शन एवं वाई जंक्शन है, जो मुख्य मार्ग से जुडते हैं. उनका चिन्हांकन कर सुधार की कार्यवाही की जाये। जनपद में जो भी अवैध कट है, उनको बंद कराया जाये। सड़क दुर्घटना रोकने हेतु एन०एच०-24 पर शीघ्र ही ओवर स्पीड कैमरा लगाया जाये। बैठक के अन्त में रमेश कुमार चौबे, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) हापुड़ द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक समाप्त की गयी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नशा विरोधी जन जागरूकता अभियान के संबंध में बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना:- आज नशा नहीं खुशी अपनाइये की टैग लाइन के साथ मादक पदार्थों का दुरूपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अंतर्राष्ट्रीय विरोधी दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में नशा विरोधी जन जागरूकता अभियान के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि नशा करने के कारणों में प्रमुख मन की दुर्बलता है।जब किसी को कोई समस्या उत्पन्न होती है तो वह मादक पदार्थों में समाधान खोजता है तो वह नशे की ओर जाता है। नशा से मुक्ति कैसे मिले उसको लेकर उन्होंने कहा कि नशा को छुडाने के लिए अपनी लकीर बड़ी करने होगी। युवा अच्छी चीजों को अपनायें। उन्होंने प्लेसीबो के विषय में चर्चा की तथा जिलाधिकारी ने कहा कि हमारी अधिकतर समस्याएं हमारे मन, विचार, इच्छा, तथा भावना के कारण उत्पन्न होती हैं। युवाओं को कहा कि वह अच्छी बातों में समय लगायें। स्वराज्य संहिता उपनिषद गंगा तथा चाणक्य पर चल रहे नाटकों को भी देखें। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने बैठक में उपस्थित युवाओं तथा बच्चों को समझाते हुए कहा कि मादक पदार्थ युवाओं को गलत दिशा में ले जाते हैं। मादक पदार्थों से जीवन निष्प्राण हो जाता है। बच्चों से कहा कि अपने आसपास के कम से 10 परिवारों को जागरूक करें। लोगों को समझाएँ कि नशा नहीं करना है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विधार्थी जीवन त्याग और अनुशासन का जीवन है। उन्होंने कहा कि मा. प्रधानमंत्री जी का स्वप्न है कि 2047 ई तक भारत को विकसित भारत बनना है, मादक पदार्थ इस मार्ग में मादक पदार्थ सबसे बडे.शत्रु के रूप में हैं हमें इन शत्रुओं को नष्ट करना हैं। समाज सेवी संगीता भार्गव ने कहा कि आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। काफी संख्या में परिवार नशे की बजह से टूट रहे हैं। नशे से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को नशा करने की आदत लग चुकी है वह अपने आत्मबल के कारण नशा करना छोड़ सकता है। नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू ने कहा कि आज अधिकांश युवा वर्ग नशे की ओर भाग रहा है यह एक सोचनीय विषय है। हम सबको सजग और सतर्क रहना है। बच्चे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अपना सहयोग दें।समाजसेवी संगीता भार्गव द्वारा बच्चों के अगर पिता व्यसन में हैं तो उनको कैसे व्यसन से दूर किया जाए उसके विषय में लोगों को जागरूक किया गया। जिला विकास अधिकारी ने बैठक में उपस्थित बच्चों को नशा मुक्त अभियान में बढ चढ कर हिस्सा लेने एवं स्वयं तथा अन्य आस पास के लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करें। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी ने कहा कि बच्चे अपनी मित्र मंडली अच्छी रखें। नशे से संबंधित पदार्थों से दूर रहें। नशा मुक्ति के लिए गाँव गाँव जाकर लोगों को जागरूक करें। 2047 ई के विकसित भारत के लिए बच्चों को लगना हैं अपना अच्छा कैरियर बनाना है। कार्यक्रम के अन्तर्गत बालिकाओं द्वारा नशा मुक्ति से संबंधित नाटिका प्रस्तुत की गयी। जिलाधिकारी ने बालिकाओं को पुस्तक एवं पेन देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी के आज सफल एक वर्ष का कार्यालय पूर्ण होने पर बैठक में उपस्थित लोगों द्वारा शुभकामनाएं दीं तथा जिलाधिकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई एवं पूर्व भाजपा अध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी को स्मृति पुष्प एवं पुस्तक स्मृति के रूप में भेंट की गयी। कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति से संबंधित शपथ भी दिलायी गयी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू तथा पूर्व भाजपा अध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी,जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार तथा जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार तथा समाज सेवी संगीता भार्गव एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो ट्रेलर की भिड़ंत...भीषण लपटों के बीच गूंजती रहीं क्लीनर की चीखें, दर्दनाक मौत; मंजर देख कांप गई रूह

एटा : एटा के आगरा रोड पर ईशन नदी की पुलिया काफी संकरी है। यहां से एक बार में एक वाहन की निकल पाता है। बृहस्पतिवार को सुबह तड़के लगभग 3 बजे कायमगंज से जो ट्रेलर अजमेर जा रहा था, उसमें लगभग 40 टन मक्का भरी हुई थी। वहीं टूंडला की ओर से आने वाले ट्रेलर में डस्ट भरी थी। दोनों ही वाहन काफी बड़े और लंबाई में अधिक हैं। घटनास्थल पर दुकान करने वाले गोलू ने बताया कि वह आगरा रोड पर पास में ही एक मकान में रहता है। बृहस्पतिवार की सुबह लगभग 3 बजे दोनों वाहनों के टकराने की तेज आवाज सुनाई दी। आसपास के लोगों के साथ बाहर आकर देखा तो ईशन नदी की पुलिया पर आग की तेज और भयंकर लपटें उठ रही थीं। उसी आग के बीच से किसी के चिल्लाने की आवाज भी आ रही थी। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को फोन के माध्यम से सूचना दी। जब तक पुलिस के साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ी और दमकलकर्मी वहां पहुंचे आग भयंकर रूप ले चुकी थी। किसी तरह से कड़ी मशक्कत करते हुए दमकलकर्मियों ने लगभग 1 घंटे में आग पर काबू पाया। तब तक डस्ट वाले ट्रेलर के अंदर फंसे क्लीनर राजवीर की मौत हो गई। मक्का व्यापारी दिनेश चंद्र निवासी कायमगंज ने बताया कि फर्म केसीएम इंटरप्राइजेज से लगभग 40 टन मक्का लेकर ट्रेलर अमन इंटरप्राइजेज अजमेर जा रहा था। तभी रास्ते में यह दुर्घटना हो गई। सीओ सिटी अमित कुमार ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना का कारण जानने के लिए पुलिस टीम जांच-पड़ताल कर रही है। जिंदा जलकर क्लीनर की मौत एटा में ईशन नदी की संकरी पुलिया होने के कारण 2 ट्रेलर में भीषण भिड़ंत हो गई। इससे आग लग गई। इसके कारण एक ट्रेलर का क्लीनर जिंदा जल गया। मृतक क्लीनर राजस्थान के धौलपुर जिले का निवासी था। मक्का कायमगंज से अजमेर जा रही थी। बृहस्पतिवार की सुबह तड़के 3 बजे शहर के आगरा रोड स्थित ईशन नदी की संकरी पुलिया पर मक्का लेकर जा रहे ट्रेलर और डस्ट से भरे हुए ट्रेलर में भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई। डस्ट ले जा रहे ट्रेलर का क्लीनर राजवीर निवासी दंडौली थाना मनिया जिला धौलपुर राजस्थान केबिन में बुरी तरह से फंस गया। जब तक सूचना पर फायर ब्रिगेड पहुंची और आग को बुझाया गया तब तक राजवीर जिंदा जल गया और उसकी मौत हो गई। वहीं चालक निरंजन लाल कूदकर अपनी जान बचाई।

बंदी को अदालत ले जाने और लाने का बचेगा समय, योगी सरकान ने लॉन्च कर दिया ये पोर्टल; समझिए कैसे करेगा काम

फतेहपुर। जेल में निरुद्ध 854 विचाराधीन बंदी व सजायाफ्ता कैदियों का पूरा डाटा जानने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा बल्कि शासन द्वारा ई-प्रिजन नाम का आनलाइन साफ्टवेयर तैयार कराया गया है जो हर बंदियों के दाखिल से रिहाई तक का डाटा रखेगा। डीजी जेल पीसी मीना के निर्देश पर अब ये साफ्टवेयर जिला कारागार में भी लगाने की प्रक्रिया शुरू कराई जा रही है। इस डाटा में बंदियों के बारे में कि वह कहां के हैं और जेल में कब आए थे,कितने मुकदमे दर्ज हैं, इनकी कोर्ट में पेशी से लेकर रिहाई तक का विवरण दर्ज होगा।इससे कैदी को अदालत ले जाने और लाने की समय की भी बचत होगी। जिला कारागार की 18 बैरकों में वर्तमान समय विभिन्न आरोपों जैसे हत्या, दुष्कर्म, अपहरण, लूट, चोरी, गैंग्स्टर, गुंडाएक्ट, चोरी जैसे 854 विचाराधीन बंद व सजायाफ्ता कैदी निरुद्ध हैं जिनमें 41 महिला बंदी भी शामिल हैं। डीजी जेल पीसी मीना के निर्देश पर अब जेल में शीघ्र ही ई-प्रिजन सिस्टम शुरू कराया जायेगा। इस पोर्टल में बंदी का नाम-पता के साथ कब जेल आए और इस पर कितने मुकदमे दर्ज हैं, कोर्ट में कब की पेशी तिथि है, कितने वर्ष या माह की सजा हुई है और सजा पूरी होने कब रिहाई है, जैसे विवरण साफ्टवेयर में अंकित रहेगा। साफ्टवेयर का एक पासवर्ड भी रहेगा लेकिन ये पासवर्ड गोपनीय रहेगा।जेल में निरुद्ध बंदियों से मिलाई करने वालों को भी इसका लाभ मिलेगा। मुलाकातियों को अपने परिचित बंदी के बारे में ज्यादा पूछने की जरूरत नहीं पड़ेगी बल्कि साफ्टवेयर में दर्ज नामों में कंप्यूटर में नाम के अक्षर को क्लिक करते ही उस बंदी के नाम, पिता की सूची सामने आ जायेगी। जिसे देखते ही पता चल जायेगा कि ये बंदी किस बैरक में बंद है। क्या है ई-प्रिजन की प्रणाली जेल में कैदियों के प्रबंधन और न्याय व्यवस्था को और अधिक कुशल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि किसी कैदी को अदालत में पेश होना है तो ई-प्रिजन आनलाइन प्रणाली के माध्यम से अदालत को कैदी के रिकार्ड तक तुरंत पहुंचाया जा सकता है।इससे कैदी को अदालत तक ले जाने और लाने में लगने वाले समय व जोखिम भी कम होगा।

कृषि यन्त्र/कृषि रक्षा उपकरण के लिया करें आर्वेदन : उप कृषि निदेशक

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- ज़िले के उपनिदेशक कृषि अमरोहानी जानकारी देते हुए कहा कि कृषि विभाग द्वारा संचालित http://agridarshan.up.gov.in पर वर्ष 2025-26 में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन एंव मैकेनाईजेशन फॉर इन सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्राप रेज्ड्यू एंव अन्य योजनाओ के अन्तर्गत कस्टम हायंरिग सेन्टर, फार्म मशीनरी बैक की स्थापना, कृषि ड्रोन, पॉपिंग मशीन, मेज सेलर, फसल अवशेष के प्रमुख कृषि यन्त्र एंव अन्य समस्त प्रकार के कृषि यन्त्र/कृषि रक्षा उपकरण इत्यादि पर अनुदान प्राप्त करने हेतु कृषि विभाग द्वारा बुकिंग किये जाने हेतु विभागीय पोर्टल दिनांक 27.06.2025 को दोपहर 12.00 बजे से कट आफ डेट 12.07.2025 तक खुला रहेगा। किसान भाईयो द्वारा अपने लैपटॉप, डैस्कटॉप अथवा किसी भी जनसेवा केन्द्र के माध्यम से कृषि यन्त्रो की बुकिंग कर सकते है।

बुंकिग की प्रकियाः- कृषि यन्त्रो की बुंकिग हेतु विभागीय पोर्टल http:// gridrshn. up.gov.in पर किसान कार्नर के अन्तर्गत यंत्र बुंकिग प्रारम्भ पर क्लिक कर आनलाईन आवेदन कर सकते है। अनुदान प्रकिया से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है।

आपत्तिजनक विडियो वायरल करने वाला एक आरोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार...

संभल(सब का सपना):- एक व्यक्ति द्वारा अपने इन्स्ट्राग्राम एकाउन्ट से भगवान श्रीराम व डा0 भीमराव अम्बेडकर की एक एडिट की गयी आपत्तिजनक विडियो सोशल मिडिया प्लेटफार्म पर वायरल की गयी थी। उक्त वायरल विडियो के कारण भगवान श्रीराम व डा0 भीमराव अम्बेडकर के अनुयायियों के बीच धार्मिक शत्रुता, दुर्भावना बढाने का कृत्य कर दो विभिन्न समुदायों के बीच नफरत फैलाने का कार्य किया गया था। जिसके सम्बन्ध मे थाना सम्भल पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

इस संबंध में 26 जून को थाना सम्भल पुलिस टीम द्वारा मुकदमे में वांछित अभियुक्त सर्जुन को चौधरी सराय चौराहा के पास से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित एक मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया है।

नगर निगम कार्यकारिणी में भाजपा का वर्चस्व कायम, आठवीं बार निर्विरोध निर्वाचन

बरेली: बरेली में नगर निगम कार्यकारिणी के लिए आठवीं बार भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ। भाजपा के पांच और सपा का एक सदस्य निर्वाचित हुआ। कार्यकारिणी के कुल 12 सदस्यों में अब भाजपा के 10 और सपा के दो सदस्य हैं। गहमागहमी से भरे माहौल में बृहस्पतिवार को पूर्वाह्न 11.30 बजे नगर निगम सभागार में चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई। कुल छह पदों के लिए छह ही नामांकन आए थे, इसलिए मतदान की नौबत नहीं आई। वार्ड 38 की पार्षद हर्ष कुमारी, वार्ड 43 की पूनम राठौर, वार्ड 72 के मुकेश सिंघल, वार्ड 23 के सतीश कातिब भाजपा से और वार्ड 73 के गुलबशर सपा की ओर से निर्वाचित हुए। इनका कार्यकाल दो साल का रहेगा। नव निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों का अन्य पार्षदों ने स्वागत किया। सदस्यों ने कहा कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनता के मुद्दों को उठाते रहेंगे। महापौर ने कहा कि नवनिर्वाचित सदस्य अब अपने वार्ड तक सीमित न रहें बल्कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएं उठाएं और नगर निगम के सदन से समाधान कराएं। सेवानिवृत्त सदस्यों का हुआ सम्मान बैठक में महापौर उमेश गौतम और नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने उप सभापति सर्वेश रस्तोगी, सदस्य गरिमा कमांडो, नीरज कुमार, सागर मौर्य, सलीम पटवारी और सौरभ कुमार को सम्मानित किया।

डीएम ने सरकार की योजनाओं पर प्राथमिकता के साथ लाभार्थियों को ऋण देने के लिए बैंकर्स को दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकर्स की डी0एल0आर0सी0 की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयेजित की गई। जिलाधिकारी ने प्रत्येक बैंक से लोन संबंधित आवेदन वार्षिक लक्ष्य सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देश देते हुए कहा कि अपने विभाग से संबंधित चार कर्मचारियों की टीम बनाकर सभी बैंकों में भेजें ताकि जो बैंक द्वारा आवेदन रिजेक्ट किए गए हैं उनको एक बार ठीक से देख लें और तीन दिवस के अंदर उक्त कार्य पूर्ण कर लें और सभी फाइलों का डिस्पोजल करें।

जिलाधिकारी ने सभी बैंकर्स को दिशा-निर्देश देते हुये कहा कि जो सरकार की योजनाएं चलाई जा रही है उन्हें प्राथमिकता के साथ ऋण दे। उन प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लिया जाए । मुख्यमंत्री युवा विकास योजना मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, एमएसएमई odop, स्वयं सहायता समूह, NRLM स्वनिधि योजना व अन्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आए हुए प्रार्थना पत्रों का निस्तारण समय से करें लंबित न रंहे। सभी बैंकर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि जो प्रार्थना पत्र रिजेक्ट करने योग्य है तो रिजेक्ट करें या कोई कमी है तो बुला कर सही कर ले लेकिन उसको लंबित न रखा जाए यदि रिजेक्ट किया जा रहे हैं तो उसका कारण बताया जाए । उन्होंने कहा कि जो लक्ष्य बैंकों को दिया गया है उसके अनुसार प्रगति दिखना चाहिए । उन्होनें सभी बैंकर्स को निर्देश देते हुये कहा कि जनपद को जो लक्ष्य दिया गया है उसको समय रहते पूर्ण करें लें और कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही जायेगी इसलिये कार्य को अच्छे से करें। । जो ऋण के आवेदन लम्बित है उनका गुणवत्तापूर्ण सत्यापन करें पात्र व्यक्तियों को ऋण प्रदान करें और अपात्र के अस्वीकृत करें। बैठक में उपायुक्त उद्योग, लीड बैंक मैनेजर, आदि अन्य बैंक के अधिकारी प्रबंधक एवं बैंकर्स उपस्थित थे।

गजरौला में कांवड़ यात्रा व मोहर्रमों को लेकर अमन कमेटी की बैठक

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- नगर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आगामी त्यौहारों को लेकर अमन कमेटी की बैठक का आयोजन कराया गया जिसमें आने वाले त्योहार मोहर्रम एवं श्रावण मास की कावड़ यात्रा को लेकर विशेष चर्चा की गई। बता दें कि बृहस्पतिवार को गजरौला की धनौरा रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आगामी त्योहारों मोहर्रम एवं श्रावण मास की कावड़ यात्रा को लेकर शांति समिति की एक बैठक का आयोजन कराया गया जिसमें उपस्थित एसडीएम विभा शर्मा श्रीवास्तव एवं धनोरा क्षेत्र अधिकारी श्वेता भास्कर ने मोहर्रमों एवं कावड़ यात्रा को लेकर वहां उपस्थित संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए अपने कार्य को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाने की बात कही। इसके अलावा बैठक में उपस्थित एसडीएम विभा शर्मा श्रीवास्तव ने वहां उपस्थित जिम्मेदार लोगों से आने वाले मोहर्रम व कावड़ यात्रा के त्यौहार को परंपरागत रूप से मनाने की बात कही उन्होंने कहा कि मोहर्रम एवं कावड़ यात्रा के दौरान कोई भी व्यक्ति ऐसा कार्य न करें जिससे कि किसी व्यक्ति को किसी परेशानी का सामना करना पड़े और कानून व्यवस्था में कोई भी व्यवधान उत्पन्न हो। त्योहारों के दौरान क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था बनाकर चलना है और पुलिस प्रशासन का व्यवस्था बनाने में सहयोग करना है। उन्होंने कहा कहा कि मोहर्रम के ताजिए की ऊंचाई भूमि से 12 फिट से ज्यादा नहीं रहे, और परम्परागत मार्गों से ही ताजिए निकाले जाएं। वहीं उन्होंने कांवड़ यात्रा के सन्दर्भ में भी बताते हुए कहा कि निर्धारित की गई ध्वनि के अनुसार ही डीजे बजाए जाएं। शिविरों पर भी साफ सफाई रहे। वहीं बिजली तार आदि भी सुरक्षित रूप से हों। उन्होंने बिजली विभाग को निर्देश दिए कि समय से पूर्व ही कांवड़ यात्रा में पड़ने वाले सभी खंबों पर पिन्नी आदि लगाई जाए। पालिका द्वारा भी बेहतर सफाई के इंतजाम कराए जाएं। सीओ श्वेताभ भास्कर ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हाइवे पर मुरादाबाद से हापुड़ वाली साइड कांवड़ियों के लिये वहीं मुरादाबाद से दिल्ली वाली साइड यातायात के लिये निर्धारित रहेगी। मांस की दुकानें प्रत्येक शुक्रवार से सोमवार तक बंद रहेंगी। कांवड़ यात्रा के मार्ग पर शराब की दुकानों पर लगाई जाएगी पिन्नी, ताकि कांवड़ियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में सीओ श्वेताभ भास्कर व एसडीएम विभा शर्मा श्रीवास्तव के साथ संबंधित पुलिस अधिकारी एवं व्यापारी विरेन्द्र बसंल, रामप्रकाश गर्ग, शैलेष अग्रवाल, रामरतन सिंह जाटव, अयूब अली, सतेन्द्र भड़ाना, तेजपाल सिंह, करन सिंह, हकीम शाहिद, तेजपाल सिंह, करन सिंह सैनी, रियासत, आदेश अग्रवाल समेत नगर पालिका सभासद, ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य, व्यापारियों के साथ पुलिस, पालिका, क्षेत्र पंचायत आदि विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

रिफंड स्कैम: फर्जी सर्टिफिकेट से विदेशी नागरिकों को ठगने के साथ ही एयरलाइंस को लगा रहे थे चूना, डायरेक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली: राजधानी में एविएशन रिफंड धोखाधड़ी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक आपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने इसका पदार्फाश किया है। वैध ट्रैवल एजेंसी की आड़ में संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और कनाडा के नागरिकों से धोखाधड़ी करने के आरोप में राजधानी के बड़े ट्रैवल एजेंसी एवीएस हालिडेज के निदेशक अक्षय शर्मा को गिरफ्तार किया है। फ्लाइट बुकिंग और रिफंड की आड़ में आरोपित अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के नागरिकों से धोखाधड़ी करता था। एजेंसी के कर्मचारी विदेशी नागरिकों की फ्लाइट छूट जाने अथवा किसी आपात स्थिति में बुकिंग रद करने पर उन यात्रियों का फुल रिफंड हासिल करने के लिए उनके परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने की बात दिखाने के लिए जाली मृत्यु प्रमाणपत्र अथवा बीमार दिखाने के लिए मेडिकल प्रमाणपत्र लगा देते थे। फर्जी दस्तावेज पर रिफंड लेकर महज 10 से 20 प्रतिशत राशि देते थे फर्जी दस्तावेज के जरिये संबंधित एयरलाइंस से फुल रिफंड लेकर वे लोग यात्रियों को दस से 20 प्रतिशत रिफंड देकर बाकी रकम हड़प लेते थे। ट्रैवल एजेंसी में इस तरह की धोखाधड़ी कई वर्षों से चल रही थी। डिजिटल साक्ष्य के तौर पर एजेंसी से 36 लैपटाप, छह मोबाइल और चार हार्ड ड्राइव बरामद किए गए हैं। डीसीपी स्पेशल सेल अमित कौशिक का कहना है कि दिल्ली में अपने तरह का यह पहला हैरान करने वाला

मामला सामने आया है। अक्षय शर्मा, कीर्ति नगर का रहने वाला है और वहीं पर उसकी ट्रैवल एजेंसी का बड़ा कार्यालय भी है। इसकी एजेंसी में करीब 400 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। जांच अभी प्रारंभिक स्तर पर है। इस मामले में कई और आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा। सेल को कुछ समय पहले शिकायत मिली थी कि कीर्ति नगर से संचालित एवीएस हालिडेज संगठित धोखाधड़ी में लिप्त है। बुकिंग और कैंसलेशन के लिए सोशल मीडिया का करते थे इस्तेमाल आरोपित फ्लाइट बुकिंग और कैंसलेशन सेवाओं के लिए गूगल, इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म, सर्च इंजन आप्टिमाइजेशन तकनीक सहित ऑनलाइन विज्ञापन प्लेटफार्म का उपयोग करता था। आरोपित बुकिंग प्रक्रिया के बहाने विदेशी नागरिकों के कार्ड नंबर और सीवीवी सहित संवेदनशील वित्तीय डाटा प्राप्त करता था और पीड़ितों के नाम पर टिकट जारी होने के बाद, सिंडिकेट बाद में ग्राहकों का प्रतिरूपण करके धोखाधड़ी वाली रद्दीकरण प्रक्रिया शुरू करता था। वे लोग फुल रिफंड प्राप्त करने के लिए एयरलाइंस को जाली दस्तावेज, जिसमें जाली मृत्यु और चिकित्सा प्रमाण पत्र शामिल होते थे उसे प्रस्तुत करते थे। आरोपित को कीर्ति नगर स्थित कार्यालय से गिरफ्तार किया गया जब्त किए गए इलेक्ट्रानिक उपकरणों के प्रारंभिक फोरेंसिक विश्लेषण से इन धोखाधड़ी वाले दावों को सुविधाजनक बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए सैकड़ों जाली दस्तावेज का पता चला है। पीड़ितों और तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं (एयरलाइंस और बिचौलियों) के विदेशी स्थान को देखते हुए क्षेत्राधिकार संबंधी जटिलता के बावजूद पुलिस टीम ने गहन जांच कर बुधवार को आरोपित को कीर्ति नगर स्थित कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने कई वर्षों तक वैध यात्रा सेवा प्रदाता के मुखौटे के नीचे धोखाधड़ी करने की बात कुबूली। उसने साथियों के साथ मिलकर, प्रतिरूपण और जाली दस्तावेज का उपयोग करके एयरलाइंस रिफंड प्रक्रियाओं में व्यवस्थित रूप से हेरफेर किया। अन्य आरोपितों की पहचान करने, वित्तीय ट्रेल्स का पता लगाने और व्यापक कानूनी कार्रवाई के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर आगे की जांच की जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गंगाराम अस्पताल में 200 बेड के कैंसर सेंटर का किया उद्घाटन, शिबू सोरेन से भी की मुलाकात

नई दिल्लीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में 200 बेड वाले कैंसर सेंटर का बृहस्पतिवार को शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अस्पताल के कैंसर मरीजों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों से बातचीत भी की। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इस कैंसर सेंटर में दस प्रतिशत बेड ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के तहत आरक्षित रहेंगे। इससे ईडब्ल्यूएस वर्ग के मरीजों को भी विशेष लाभ मिलेगा। शिबू सोरेन से मुलाकात कर जल्द स्वस्थ होने की कामना की शुभारंभ के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष शिबू सोरेन से मुलाकात की। शिबू सोरेन पिछले पांच दिनों से गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं। वे किडनी संबंधी बीमारी के कारण अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, शिबू सोरेन की हालत फिलहाल स्थिर है। राष्ट्रपति ने उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

यमुना को प्रदूषित करने वाली साहिबी नदी के अब अच्छे दिन आएंगे, रेखा गुप्ता सरकार ने लिया बड़ा फैसला

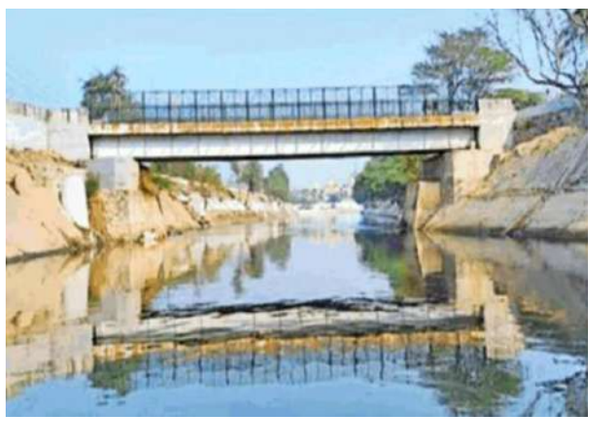

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग (आइएंडएफसी) ने साहिबी नदी रिवरफ्रंट परियोजना का खाका तैयार करने के लिए सलाहकार की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है। इस नदी को नजफगढ़ नाला भी कहते हैं। इसे यमुना के प्रदूषण के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार माना जाता है। इसे ध्यान में रखकर इसकी सफाई का काम चल रहा है। इसके साथ ही इसके किनारे रिवर फ्रंट बनाने की योजना है। साहिबी नदी से प्रतिदिन 2076 एमएलडी गंदा पानी यमुना में पहुंचता है। इस समस्या के समाधान के लिए एक सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) और 11 विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्र (डीएसटीपी) लगाने का प्रस्ताव है। सीएम रेखा गुप्ता ने पार्क बनाने की घोषणा की थी दो माह पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तम नगर के विपिन गार्डन में आइएंडएफसी की उपेक्षित पड़ी 50 एकड़ भूमि पर पार्क बनाने की घोषणा की थी। यहां से गुजरने वाली साहिबी नदी को भी इस योजना से जोड़ते हुए एक विस्तृत रिवर फ्रंट का प्रस्ताव तैयार करने की भी घोषणा की गई थी। इसे मूर्त रूप देने के लिए सलाहकार की नियुक्ति का निर्णय लिया गया है। सलाहकार मिट्टी की जांच, क्षेत्र का सर्वे कर उसकी आवश्यकता का आकलन, वास्तुशिल्प डिजाइन और परियोजना के सभी पहलुओं को दर्शाते हुए एक लेआउट योजना तैयार करेगा। योजना के अनुसार ये काम किए जाएंगे लगभग तीन माह में वह अपनी रिपोर्ट देगा, उसके अनुसार आगे का काम किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा, योजना के अनुसार हरियाली विकसित करने के साथ ही पार्क, पैदल पथ, भू-दृश्यांकन कार्य, फव्वारे, छठ घाट, वाहन पार्किंग स्थल, एक आउटडोर व्यायामशाला, बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाया जाएगा।

कांवड़ यात्रा पर जाने के लिए आइसक्रीम पार्लर में कर डाला ऐसा कांड, पुलिस ने 3 शातिरों को किया गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। कांवड यात्रा के लिए पैसे जुटाने के लिए केशवपुरम थाना क्षेत्र में आइसक्रीम पार्लर में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों से लूटा गया आई-फोन, चाकू, वारदात के समय पहने गए कपड़े, एक कड़ा, वारदात में इस्तेमाल हेलमेट और एक बाइक बरामद की है। आरोपितों की पहचान सुमित, वंश गुप्ता, सागर उर्फ पियूष के रूप में हुई है। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 19 जून को रात करीब 11:00 बजे पीड़ित धर्मेंद्र त्रिनगर स्थित अपनी दुकान पर थे। दुकान उनके घर के भूतल पर ही स्थित है। धर्मेंद्र दुकान बंद करने ही वाले थे कि तभी दो अज्ञात युवक, जो टोपी व मास्क पहने हुए थे, जबरन दुकान में घुस आए। उन्होंने पीड़ित को गाली-गलौज करते हुए चाकू दिखाकर धमकाया और उन्हें जबरन बैठा दिया। इनमें से एक युवक ने चाकू लहराते हुए पीड़ित को धमकाया और दूसरे युवक ने उनके गल्ले से 43 हजार रुपये नकद, कुछ कुल्फियां और एक आई-फोन 11 लूट लिया। वारदात के बाद दोनों युवक दुकान से बाहर निकले और पहले से बाहर खड़े तीसरे साथी के साथ स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान टीम ने 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर आरोपितों के भागने के रूट की पहचान की। निरंतर प्रयासों से आरोपितों की पहचान कर ली गई। रामपुरा अंडरपास के पास जाल बिछाकर तीनों आरोपितों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपितों ने अपने अपराध को स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य हरिद्वार कांवड़ यात्रा के लिए पैसे इकट्ठा करना था, लेकिन मोटी रकम नहीं मिलने पर उन्होंने उस पैसे को क्लब और मौज-मस्ती में खर्च कर दिया।

ड्यूटी पर असिस्टेंट लाइनमैन की मौत पर हंगामा, गुस्साए लोगों ने सोहना-पलवल रोड पर लगाया जाम

पलवल : मेघपुर बिजली सब स्टेशन पर काम करते समय असिस्टेंट लाइनमैन की मौत से गुस्साए स्वजन ने बृहस्पतिवार को जिला नागरिक अस्पताल में जमकर हंगामा किया और कुछ देर के लिए सोहना-पलवल रोड भी जाम कर दिया। स्वजन मामले में दस लाख के मुआवजे और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। डीएसपी क्राइम मनोज वर्मा और एसडीएम ज्योति के समझाने के बाद स्वजन माने और शव के पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। इसके बाद शहर थाना पुलिस में स्वजन ने अपनी शिकायत दी। मिली जानकारी के अनुसार गांव घुघेरा का रहने वाला हरकेश बिजली विभाग में रोजगार

कौशल निगम के तहत असिस्टेंट लाइनमैन के तौर पर कार्य करता था। बुधवार को वह मेघपुर सब स्टेशन में बिजली का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसे करंट लग गया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसके शव को जिला नागरिक अस्पताल लाया गया और स्वजन को सूचित किया गया। स्वजन का बिजली अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप अस्पताल पहुंचे स्वजन ने बिजली अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। स्वजन का यह भी कहना था कि जब सब स्टेशन पर काम चल रहा था तो अचानक बिजली कैसे आ गई। स्वजन ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने किसी तरह स्वजन को समझाकर बुधवार देर शाम को शव को नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया था। इसके बाद बृहस्पतिवार को भी जिला नागरिक अस्पताल पीड़ित पक्ष के लोगों की भारी भीड इकट्ठा हो गई। मौके पर पहुंचे कर्मचारी नेताओं ने दस लाख के मुआवजे समेत अन्य मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। तीन लाख के मुआवजे की बात गुस्साए स्वजन और किया हंगामा प्रशासन द्वारा तीन लाख का मुआवजा देने की घोषणा से गुस्सा होकर लोगों ने पलवल-सोहना मार्ग कुछ देर के लिए काम कर दिया।

श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा- किसी भी स्तर पर न हो अन्याय, वर्चुअल हियरिंग की व्यवस्था शीघ्र लागू की जाए

नई दिल्ली: श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में विभागीय आयुक्त, संयुक्त आयुक्त एवं जिला स्तर के उपायुक्तों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य फोकस श्रम विभाग में सूचना तकनीक के उपयोग को बढ़ाने और लंबित श्रमिक मामलों के त्वरित समाधान पर रहा। मिश्रा ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि सूचना तकनीक को सुदृढ़ करना आज की प्रशासनिक आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि विभाग में वर्चुअल हियरिंग (ऑनलाइन सुनवाई) की व्यवस्था को शीघ्र लागू किया जाए ताकि श्रमिक अपने मामलों की सुनवाई में भौगोलिक बाधाओं के बिना भाग ले सकें। किसी भी स्तर पर श्रमिक के साथ न हो अन्याय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर श्रमिकों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। चाहे मामला वेतन से जुड़ा हो, नौकरी से निकाले जाने का हो, प्रबंधन के खिलाफ हो या क्षतिपूर्ति से संबंधित–हर केस का त्वरित और निष्पक्ष निपटान किया जाना चाहिए। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि श्रम विभाग के पोर्टल पर सभी केसों की सूची, संबंधित आदेशों और विभागीय निर्णयों को सार्वजनिक किया जाए। इससे शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को समय पर सही और पारदर्शी जानकारी प्राप्त होगी और साथ ही विभाग की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। मंत्री ने कहा, जनहित में सुधार के लिए उठाए जा रहे कदम मंत्री ने यह भी बताया कि विभागीय प्रक्रियाओं को सरल, तकनीकी और जनोपयोगी बनाने की दिशा में कई सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा करने और फील्ड स्तर पर श्रमिकों से संवाद बनाए रखने की अपील की। बैठक में अधिकारियों ने मंत्री को विभाग की वर्तमान कार्यप्रणाली, तकनीकी ढांचे और लंबित मामलों की स्थिति से भी अवगत कराया।

किडनैपिंग-एक्सटॉर्शन गैंग का पदार्फाश, दिल्ली पुलिस का अधिकारी बनकर उगाही करने वाले पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली के किशनगढ़ थाना पुलिस ने एक बड़े किडनैपिंग और एक्सटॉर्शन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपितों के पास से एक ग्रैंड विटारा कार भी बरामद की है, जिसका इस्तेमाल अपराध में किया गया था। गिरफ्तार आरोपितों में प्रवेश, आर्यमन चौधरी, ऋतिक गौहर, देव आनंद यादव और शर्मन राय शामिल हैं। ये सभी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। ये स्नातक हैं। दिल्ली पुलिस का बताकर पैसे वसूलने की कोशिश की इन आरोपितों की ओर से वारदात करने का मामला 16 जून 2025 को सामने आया, जब मुनिरका निवासी जोशुआ हमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया

कि 15/16 जून की रात करीब 1:20 से 1:40 बजे के बीच शिवम मेडिकोस, फक्कर वाला पार्क के पास चार लोगों ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताकर उनका अपहरण कर लिया। इसके साथ ही पुलिस अधिकारी बनकर उससे पैसे वसूलने की कोशिश की। पीड़ित किसी तरह उनके चंगुल से बच निकला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्ध कार की पहचान की। तकनीकी सर्विलांस और लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने कार के मालिक प्रवेश को पकड़ लिया। पूछताछ में प्रवेश ने अपने चार अन्य साथियों के नाम बताए, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पढ़े लिखे हैं पांचों आरोपित, एक करता है प्रॉपर्टी डीलिंग पुलिस ने आरोपितों के प्रोफाइल की भी जांच की। प्रवेश प्रॉपर्टी डीलर है और राजस्थान के जयपुर का स्थायी निवासी है। आर्यमन चौधरी और शर्मन राय हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के रहने वाले हैं और दोनों छात्र हैं। ऋतिक गौहर यूपी के झांसी का रहने वाला है और फ्रीलांसर के तौर पर काम करता है, जबकि देव आनंद यादव राजस्थान के अलवर का है और ड्राइवर है। सभी आरोपी स्नातक और अविवाहित हैं। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर नंबर 158/2025 के तहत केस दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के बाद और भी खुलासे हो सकते हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर ईरानी 'बंटी-बबली' का शिकार बना अमेरिकी नागरिक, ईरानी महिला गिरफ्तार और पति फरार

नई दिल्ली: दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विदेश नागरिकों को ठगने वाले ईरानी बंटी-बबली गिरोह का दिल्ली पुलिस ने पदार्फाश किया है। ईरानी दंपती विदेशी नागरिकों को झांसे में लेकर उनसे रकम ऐंठ लेता था और एयरपोर्ट की भीड़ में बड़ी आसानी से फरार हो जाता था। दिल्ली पुलिस ने इस अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह का पदार्फाश करते हुए ईरान की 52 वर्षीय फातमा अकबरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान ईरानी महिला तो पकड़ में आ गई, लेकिन उसका पति मौके से

भागने में कामयाब हो गया, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। ईरानी महिला ने अमेरिकी नागरिक से 700 डॉलर ठगे थे इस ईरानी दंपती ने अमेरिकी नागरिक से 700 डॉलर ठगे थे, जो भारतीय मुद्रा में करीब 58,000 रुपये हैं। पुलिस के मुताबिक, यह महिला पति के साथ मिलकर विदेशी यात्रियों को निशाना बनाती थी। पुलिस ने बताया कि ईरानी दंपती विदेशी नागरिकों को ठगने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते थे। उन्हें झांसे में लेने के बाद रुपये लेकर फरार हो जाते थे। दिल्ली पुलिस ईरानी महिला से कर रही पूछताछ पुलिस ईरानी महिला से पूछताछ कर रही है और इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है, जिससे फरार पति का पता लग सके। इसके साथ ही पुलिस अब इनके पिछले अपराधों का भी पता लगा रही है, इसके साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि गिरोह और कितने लोग शामिल हैं।

दिल्ली में धड़ल्ले से चल रही अवैध फैक्ट्रियां, 4 लोगों की मौत से इलाके में दहशत का माहौल

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के रिठाला गांव समेत आसपास का इलाका दिन-प्रतिदिन व्यावसायिक होता जा रहा है। यहां अवैध फैक्ट्रियां धड़ल्ले से चल रही हैं। लेकिन प्रशासन शिकंजा कसने के बजाए आंखे मूंदे हुए हैं। कई फैक्ट्रियों में तो ज्वलनशील पदार्थों और रसायनों का भी उपयोग होता है। फैक्ट्री मालिक नियमों को ताक पर रखकर फैक्ट्रियां संचालित कर रहे हैं। यही कारण है कि आए दिन इन अवैध फैक्ट्रियों में आग लगने से लोगों की जाने जा रही है। इनमें से अधिकतर फैक्ट्रियां रिहायशी इलाकों में चलाई जा रही है। रिठाला गांव में इस हादसे के बाद से ही स्थानीय लोगों ने भी अवैध फैक्ट्रियों के विरोध में आवाज उठानी शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि घरों के बीच इस तरह की फैक्ट्रियां संचालित होने से उन्हें भी जान का खतरा है। आग लगने के बाद घरों में घुसने वाले धुएं से दम घुटने से उनकी भी जानें जा सकती है। कई फैक्ट्रियां तो घरों में संचालित हो रही हैं। इन फैक्ट्रियों में न तो आपातकालीन गेट ही होता है और नहीं आग से बचाव के कोई सुरक्षा के इंतजाम। रिठाला के जिस फैक्ट्री में आग लगी, यहां भी किसी भी तरह के कोई सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे। यहां कारण रहा कि फैक्ट्री में फंसे लोग पहले दम घुटने से बेहोश हुए, फिर बेहोशी की हालत में झुलसने से उनकी मौत हो गई। शिकायत पर भी नहीं होती है कार्रवाई स्थानीय लोगों ने बताया कि रिहायशी इलाकों में चलने वाली अवैध फैक्ट्रियों के खिलाफ वे शिकायत पर करते हैं, तो संबंधित विभाग उसपर कार्रवाई नहीं करती है। उन्हें फैक्ट्री मालिकों की ओर से हर महीने मोटी रकम दी जाती है। भ्रष्टाचार का ही नतीजा है कि अवैध फैक्ट्रियां दिल्ली में अवैध रूप से चल रही है। किसी बड़ी घटना के बाद संबंधित अधिकारी कुछ कार्रवाई करते हैं, फिर कुछ दिनों के बाद से ही फिर से धड़ल्ले से अवैध फैक्ट्रियों का कारोबार चलने लगता है। 11 लोगों की मौत के बाद भी अवैध फैक्ट्रियों पर शिकंजा नहीं 15 फरवरी 2024 में अलीपुर स्थित रिहायशी क्षेत्र में अवैध रूप से चलाए जा रहे पेंट फैक्ट्री और केमिकल गोदाम में भीषण आग लग गई थी। इस आग में 11 लोगों की मौत हो गई थी, और चार लोग घायल हो गए थे। आग इतनी भीषण थी कि केमिकल से भरे ड्रम फटने के बाद कई मंजिलों तक ऊपर उड़कर कई इमारतों गिरे।

पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस दर्ज, स्वास्थ्य विभाग में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार का है मामला

नई दिल्ली। पूर्ववर्ती दिल्ली सरकार के मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने केस दर्ज किया है। इससे पहले, हजारों करोड़ से अधिक के अस्पताल घोटाले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एसीबी को दो पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ जांच करने की स्वीकृति दी थी। इस मामले में एसीबी ने दोनों मंत्रियों, पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग के सरकारी अधिकारियों और निजी ठेकेदारों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। एफआईआर में दोनों मंत्रियों और पांच ठेकेदारों को नामजद किया गया है। दोनों विभाग के सरकारी अधिकारी अभी नामजद नहीं हैं। उनकी पहचान की जानी है। प्रारंभिक जांच में कई कमियों का पता चला है जिसका एफआईआर में जिक्र किया गया है। 24 अस्पताल परियोजनाओं में भ्रष्टाचार का आरोप दोनों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 17ए के तहत केस दर्ज किया गया है। इनपर आरोप है कि 2018-19 में 5,590 करोड़ की लागत वाली

24 अस्पताल परियोजनाओं (11 ग्रीनफील्ड और 13 ब्राउनफील्ड) को इन्होंने स्वीकृति प्रदान की थी। इसके तहत 6,800 की बिस्तर क्षमता वाले सात आईसीयू अस्पतालों को सितंबर 2021 में छह माह के भीतर 1,125 करोड़ रुपये की लागत से बनाने की बात थी, जो तीन वर्ष से अधिक समय बीत जाने पर 800 करोड़ की लागत में अब तक 50 प्रतिशत निर्माण कार्य ही पूरा हो पाया है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने की थी शिकायत 22 अगस्त 2024 को वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एसीबी में शिकायत कर धांधली किए जाने का आरोप लगाया था। उपराज्यपाल से जांच की स्वीकृति नहीं मिलने पर एसीबी में फाइल दबी हुई थी। इस पर एसीबी ने जांच के लिए उपराज्यपाल से स्वीकृति मांगी थी। शिकायत में कहा गया था कि एलएन अस्पताल न्यू ब्लॉक परियोजना के लिए 465.52 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी। चार वर्षों में 1,125 करोड़ रुपये से लगभग तिगुनी हो गई है। वहीं, 168.52 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत 94 नियोजित पॉलीक्लीनिक में 52 का निर्माण किया गया, वह भी 220 करोड़ रुपये की बढ़ी हुई लागत पर। इसकी भी शिकायत की गई।

लगातार बारिश के कारण फिर बंद हुआ हिमकोटि मार्ग, माता वैष्णो देवी के दर्शन पुराने मार्ग से चालू

श्रीनगर (एजेंसी)। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए 12 मास लोग आते है। हर मौसम में मां के द्वार खुले रहते हैं। बारिश के समय भी दर्शन करने वालों की संख्या काफी ज्यादा रहती है। लेकिन कुछ समय से माता वैष्णो देवी की पहाड़ियों पर लगातार बारिश हो रही है। जिससे तीर्थयात्रा मार्ग फिर बाधित हो गया है, इस साल यह तीसरी बार है जब नए हिमकोटि मार्ग को बंद करना पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण हिमकोटि मार्ग पर बड़ा भूस्खलन हुआ है, इससे करीब 30 फीट मलबा और बड़े-बड़े पत्थर मार्ग को अवरुद्ध कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, सुरक्षा कारणों से मार्ग पर बैटरी कार, केबल कार और हेलीकॉप्टर सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित किया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत और निकासी अभियान तेजी से शुरू किया। जबकि नया मार्ग बंद है, यात्रा को पारंपरिक पुराने मार्ग से जारी रखने की अनुमति दी जा रही है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी ने कहा, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यात्रा को मूल मार्ग पर मोड़ दिया गया है। आपदा प्रबंधन कर्मियों के साथ हमारी टीमें युद्ध स्तर पर मलबा साफ कर रही हैं। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों से सतर्क रहने, केवल अधिकृत मार्गों का अनुसरण करने और मौसम संबंधी सलाह का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। आगंतुकों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए अतिरिक्त कर्मियों को जमीन पर तैनात किया गया है।

बेटी ने प्रेमी को बुलाकर मां का सिर हथौड़े से कुचल, मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। यहां एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 39 वर्षीय महिला की हत्या का आरोप उसकी 16 वर्षीय बेटी और बेटी के प्रेमी पर लगा है। मामला हैदराबाद के जीडीमेटला इलाके का है। पुलिस के अनुसार, मृतका अपनी दो बेटियों के साथ जीडीमेटला के शापुर नगर में किराए के मकान में रहती थीं। उनकी बड़ी बेटी कक्षा 10 की छात्रा है। उसने पिछले दिसंबर में इंस्टाग्राम के जरिए 19 वर्षीय पी. शिवा से दोस्ती की थी, जो नालगोंडा जिले का रहने वाला एक डीजे है। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। 19 जून को किशोरी अपने प्रेमी के साथ घर से भाग गई थी, जिसके बाद अंजलि ने पुलिस में अपहरण का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने लड़की को सूर्यापेट में शिवा के दादा-दादी के घर से बरामद किया और उसे उसकी मां को सौंप दिया। इसके बाद से मां-बेटी के बीच इस रिश्ते को लेकर लगातार तनाव और झगड़े हो रहे थे। पुलिस के मुताबिक, 23 जून की शाम को बेटी ने अपनी मां की आपत्तियों से तंग आकर शिवा को फोन किया और अपनी मां के खिलाफ शिकायत की। जैसे ही शिवा और उसका भाई यशवंत घर पहुंचे, लड़की ने दरवाजा खोल दिया। पुलिस के अनुसार, दोनों भाइयों ने पहले महिला को चुनरी और साड़ी से गला घोंटकर मारने की कोशिश की। जब वे समझे कि वह मर चुकी है, तो वहां से भाग गए। लेकिन बाद में लड़की ने देखा कि उसकी मां अब भी सांस ले रही है। इसके बाद उसने फिर से शिवा को फोन किया, और वह अपने भाई के साथ दोबारा लौटा। इस बार दोनों ने हथौड़े से महिला की खोपड़ी और नाक पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

अखिलेश ने किया तेज प्रताप यादव को फोन, बिहार से लेकर यूपी तक सियासी चर्चा हुई तेज

पटना (एजेंसी)। पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने दो टूक कहा कि वे चुप नहीं बैठने वाले है। अपने राजनीतिक भविष्य और निजी जीवन को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच तेज प्रताप लगातार सक्रिय हैं। तेज प्रताप ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से वीडियो कॉल पर बात की। बाद में उन्होंने लिखा, अखिलेश हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहे हैं। जब उन्होंने अचानक मेरा हालचाल पूछने के लिए फोन किया, तब लगा कि मैं इस लड़ाई में अकेला नहीं हूं। इससे सवाल उठने लगा है कि क्या तेजप्रताप अखिलेश की मदद से राजनीतिक वापसी की तैयारी में हैं। तेज प्रताप ने न सिर्फ अखिलेश से बात की, बल्कि उसी दिन पटना में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें भी कीं। उन्होंने लिखा, मुलाकातों का सिलसिला जारी है। जब जनता का प्यार हमारे साथ होता है, तब हमें हर परिस्थिति का हिम्मत से सामना करने की ताकत मिलती है। अपनी राजनीतिक पार्टी से निकाले जाने और अपने ही परिवार की आलोचनाओं का सामना करने के बावजूद तेज प्रताप की बढ़ती सार्वजनिक सक्रियता यह दर्शाती है कि वे राजनीति से दूर नहीं जा रहे हैं। कई लोग पूछ रहे हैं कि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में तेज प्रताप की क्या भूमिका होगी। क्या वह अपना खुद का गुट बनाएंगे? क्या वह किसी दूसरी पार्टी से हाथ मिलाएंगे? या फिर वह अपने अगले कदम को तय करने के लिए सार्वजनिक और कानूनी फैसलों का इंतजार करेंगे?

2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में 50 से भी कम सीटें जीतेगी बीजेपी : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से कम सीटें जीतेगी। बनर्जी ने कहा कि मैं वादा करता हूं कि 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई सीटों की कुल संख्या 50 से कम होगी। 2021 में, भाजपा की गिनती 77 पर रुकी थी। मैंने कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी, यह सच साबित हुआ।

बनर्जी ने भाजपा नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर हमला कर कहा कि अधिकारी ने दावा किया था कि अगर वह नहीं होते, तब ममता बनर्जी दीदी से दादी बन जातीं। उन्होंने 2020 में पार्टी छोड़ दी। उसके बाद, ममता बनर्जी 2021, 2023 के पंचायत चुनावों में कैसे जीत गईं?

उन्होंने कहा कि उनके भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने एक भी चुनाव नहीं जीता। बंगाल में हुए सभी 11 उपचुनावों में भाजपा हार गई। उन्होंने कहा कि वे यहां ऑपरेशन बंगाल चलाएंगे, जिसका मतलब है कि वे विधायकों को खरीद सकते है। अभिषेक ने कहा, ममता बनर्जी लोगों के आशीर्वाद से 34 साल पुरानी सीपीआई(एम) सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद अपने बलबूते पर सीएम बनी हैं।

राहुल गांधी का चुनाव आयोग से सवाल पूछना कुछ लोगों को नहीं हो रहा हजम

-कांग्रेस सांसद भगत ने कहा- आयोग की भूमिका हमेशा संदेह के घेरे में रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने गुरुवार को कहा कि जिस अंदाज में राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहे हैं वह कुछ लोगों को रास नहीं आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग हुई है और राहुल गांधी ने इस मुद्दे की ओर पूरे देश का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चुनाव आयोग की भूमिका हमेशा से ही संदेह के घेरे में रही है। राहुल गांधी भी इस मुद्दे को हमेशा उठाते रहे हैं।

कांग्रेस नेता भगत ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है, जिसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है, और इसी मुद्दे को राहुल गांधी उठा रहे हैं, जिसे कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे हैं। हम इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ी हुई। इसे लेकर हमने आयोग से कई साक्ष्य मांगे थे, लेकिन आयोग ने हमारी मांग नहीं मानी। हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता बरकरार रहे और उसकी गरिमा पर

किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं लगे। अगर ऐसा हुआ, तो हम इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। वहीं भारत-पाक सीजफायर को लेकर उन्होंने इसे सही नहीं बताया। भगत ने कहा कि आतंकवाद को एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। आतंकवाद को वैश्विक मोर्चे पर हम सभी को परास्त करने के लिए एकजुट होना ही होगा, तभी जाकर हम सभी को इसमें अपेक्षित सफलता मिल पाएगी और इस दिशा में हमें सफलता मिली भी है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चाहे वो इजराइल और ईरान के बीच युद्ध हो या फिर रूस-यूक्रेन, भारत ने दोनों ही स्थिति में अहम भूमिका निभाई। भारत बढ़त की स्थिति में रहा, लेकिन पाकिस्तान के साथ स्थिति बिल्कुल उलट रही। पहले हम पाकिस्तान पर हावी हुए, लेकिन जब मसला सीजफायर का आया, तो कहीं ना कहीं हमारी भूमिका कमतर साबित हुई, जिसे लेकर आज भी केंद्र की मोदी सरकार से देश की जनता सवाल पूछ रही है, लेकिन केंद्र सरकार इस सवाल का जवाब देने से बच रही है।

जोहरान हमदानी को कंगना ने सुना दी खरी-खरी, वे भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगते

नई दिल्ली। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद की उम्मीदवारी की रेस में जीत को लेकर टिप्पणी की है। कंगना ने ट्वीट कर लिखा है कि जोहरान हमदानी, तब भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगते हैं। कंगना ने लिखा, उनकी

मां मीरा नायर हैं। वह हमारी इंडस्ट्री की एक शानदार फिल्ममेकर हैं और पद्मश्री से सम्मानित हैं। उन्होंने गुजराती मूल के नामी लेखक महमूद ममदानी से शादी की थी और बेटे का नाम जोहरान है। कंगना अपनी पोस्ट में उनके नाम पर सवाल उठाकर लिखती हैं, जोरहान नाम भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगता है। अब वह हिंदुत्व को ही खत्म करने के लिए तैयार हैं। हर जगह यही कहानी है। खैर, मीरा जी से कई बार मुलाकात हुई है। पैरेंट्स को बधाई। जोहरान को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से न्यूयॉर्क का मेयर कैंडिडेट बनने के लिए हुए चुनाव में जीत मिली है। वह न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर भी बन सकते है। ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ था और फिर परवरिश अमेरिका में हुई। उनकी मां मीरा नायर ने कई मशहूर फिल्मों को डायरेक्ट किया है और भारत के अलावा पाकिस्तान सहित कई देशों में उन्हें सराहा जाता रहा है। दरअसल कंगना रनौत ने शेयर किए गए ममदानी के एक वीडियो को रीट्वीट कर यह सख्त टिप्पणी की। वीडियो में दिखता है कि कुछ प्रदर्शनकारी हिंदू विरोधी नारे लगा रहे हैं और उन्हें अपशब्द कह रहे हैं। इस बीच ममदानी भी माइक ले लेते हैं और भारत में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का विरोध करते हैं।

आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने मांगी थी माफी

-शरद पवार बोले-आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं मानते

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि देश में 50 साल पहले लगाया गया आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने इसके लिए माफी मांगी थी। मुंबई में एक कार्यक्रम में शरद पवार ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना एक पवित्र कार्य है और लोगों को आज भी इनकी रक्षा के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है।

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने याद दिलाया कि समाजवादी दिग्गजों जॉर्ज फर्नांडिस, चंद्रशेखर और मधु दंडवते से परामर्श के बाद 1978 में महाराष्ट्र में सरकार में परिवर्तन किया गया और वह सीएम बने। केंद्र में बीजेपी नीत सरकार का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि मौजूदा सरकार की आलोचना को अस्वीकार्य माना जाता है। उन्होंने कहा कि आज हमें सावधान रहना होगा। आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं माना जाता है। पत्रकारों को धमकाया जाता है। घोषित और अघोषित आपातकाल में फर्क होता है।

उन्होंने आम नागरिकों से किसी भी कीमत पर संसदीय लोकतंत्र को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। वरिष्ठ समाजवादी नेता दिवंगत जॉर्ज फर्नांडिस की तारीफ करते हुए पवार ने कहा कि वह एक श्रमिक संघ के नेता से केंद्र में मंत्री बने थे। पवार ने आपातकाल को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया, लेकिन साथ ही कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाने, असहमति को दबाने, सामूहिक गिरफ्तारियां करने और प्रेस सेंसरशिप जैसे उपायों को लागू करने के लिए माफी भी मांगी थी।

बिहार में शुरु हुआ सीट संग्राम: भाकपा ने 24 सीटों पर दावा ठोककर तेजस्वी की मुश्किलें बढ़ाईं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हैं। महागठबंधन के नेता भी सीट शेयरिंग को लेकर अपने अपने समीकरण बैठा रहे हैं। ऐसे में भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी यानी भाकपा ने 24 से अधिक सीटों पर दावेदारी करके राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने महागठबंधन कोऑर्डिनेशन कमेटी के संयोजक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की मांग रखी है, ताकि सीट बंटवारे पर चर्चा हो सके।

भाकपा, जो महागठबंधन का हिस्सा है, ने अपनी रणनीति को और आक्रामक करते हुए 24 से अधिक सीटों पर दावा किया है। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने कहा, हमारी पार्टी बिहार में मजबूत आधार रखती है, खासकर ग्रामीण और मजदूर वर्ग के बीच। इन सीटों पर हमारी जीत की संभावना मजबूत है और हम महागठबंधन के साथ मिलकर एनडीए को कड़ी चुनौती देंगे। उन्होंने तेजस्वी यादव से जल्द मुलाकात की मांग की है, ताकि गठबंधन के साझा एजेंडे और सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा सके। भाकपा ने जिन सीटों पर दावा किया है, उनमें तेघड़ा, बखरी, बछवाड़ा, हरलाखी, झंझारपुर, रूपौली, फुलवारीशरीफ, डुमरांव, गोह, बांका,

बेलदौर, केसरिया, चनपटिया, मोतिहारी, जाले, बारिसनगर, सिकंदरा, खजौली, और करगहर जैसी विधानसभा सीटें शामिल हैं। बिहार में इस बार का विधानसभा चुनाव बेहद रोचक होने वाला है, क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर की उम्मीद है।

सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में चुनौतियां भी हैं। राजद और कांग्रेस के बीच पहले से ही सीटों की संख्या को लेकर खींचतान की खबरें हैं। राजद, जो महागठबंधन का सबसे बड़ा घटक है, 150 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है, जबकि कांग्रेस 50-60 सीटों की मांग कर रही है। भाकपा (माले) ने भी 40-45 सीटों की दावेदारी की है। ऐसे में भाकपा की 24 से अधिक सीटों की मांग गठबंधन के भीतर समीकरण को और जटिल बना सकती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनी, तो महागठबंधन को नुकसान हो सकता है, जिसका फायदा एनडीए को मिल सकता है। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, भाकपा (माले), भाकपा, माकपा, और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। पिछले विधानसभा चुनाव 2020 में भाकपा (माले) ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 12 पर जीत हासिल की थी, जो महागठबंधन में तीसरे सबसे बड़े घटक के रूप में उभरा था। इस बार भाकपा भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के मूड में है। भाकपा ने जिन सीटों पर दावा किया है, उनमें तेघड़ा, बखरी, और बछवाड़ा जैसे क्षेत्रों में उसका मजबूत जनाधार रहा है, खासकर अनुसूचित जाति (एससी) और पिछड़े वर्गों के बीच। इसके अलावा, फुलवारीशरीफ और डुमरांव जैसी शहरी और ग्रामीण मिश्रित सीटों पर भी पार्टी अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है।

भाकपा की बढ़ती मांग और डी राजा की सक्रियता से यह साफ है कि महागठबंधन में एक साझा रणनीति के लिए तेजस्वी को कठिन संतुलन बनाना होगा। चुनाव आयोग जल्द ही बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है, और सितंबर-अक्टूबर में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। भाकपा की इस दावेदारी ने बिहार की सियासत में नया मोड़ ला दिया है। अब यह देखना होगा कि तेजस्वी यादव और डी राजा की मुलाकात के बाद महागठबंधन का सीट बंटवारा किस दिशा में जाता है और क्या यह गठबंधन एनडीए के डबल इंजन सरकार को चुनौती दे पाएगा। एनडीए की ओर से नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और बीजेपी ने पहले ही कार्यकर्ता सम्मेलनों और रैलियों के जरिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। चिराग पासवान ने दावा किया है कि एनडीए 225 से अधिक सीटें जीतेगा। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने 'माई बहन मान योजना' जैसे वादों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश की है।

आख़िरकार बिहार में मिली किराए की कोख को कानूनी मंजूरी

पटना (एजेंसी)। आख़िरकार बिहार में लंबे इंतजार के बाद अब किराए की कोख यानी सरोगेसी को कानूनी मंजूरी मिल गई है। राज्य सरकार ने सरोगेसी प्रक्रिया की निगरानी और संचालन के लिए दो दर्जन सदस्यीय मॉनिटरिंग बोर्ड का गठन कर दिया है, जिसमें चिकित्सक, एमएलए और महिला समाजसेवी शामिल है। बोर्ड का नाम रखा गया है एआरटी (सहायक प्रजनन तकनीक) एंड सरोगेसी मॉनिटरिंग बोर्ड। राज्य सरकार का यह निर्णय उन दंपतियों के लिए राहत लेकर आया है जो संतान सुख की चाह में सालों से जूझ रहे थे। अब प्रक्रिया पूरी करने के लिए उन्हें झारखंड, पश्चिम बंगाल या अन्य राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इन राज्यों में न केवल खर्च अधिक होता था, बल्कि कानूनी और चिकित्सा जटिलताओं से भी गुजरना पड़ता था। अब बिहार में ही इस पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुरक्षित रूप में पूरा किया जा सकेगा।

* क्या होता है सरोगेसी (किराए की कोख)?

सरोगेसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें कोई महिला किसी अन्य दंपति के लिए गर्भ धारण करती है। वो बच्चे को जन्म देती है। भारत में इसे किराए की कोख के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन यह शब्द कई बार नकारात्मक भाव पैदा करता है, इसलिए इसे चिकित्सा जगत में सरोगेसी कहा जाता है। वर्ष 2021 के कानून के तहत भारत में सरोगेसी का व्यवसायीकरण प्रतिबंधित है और सरोगेसी एक परोपकारी प्रक्रिया है, इसलिए सरोगेट मदर भी इच्छुक दंपति से कोई अतिरिक्त पैसे की डिमांड नहीं कर सकती। कंसेंट फॉर्म में यह सब कुछ होता है जिस पर दोनों की सहमति होती है।

सरोगेसी की प्रक्रिया में सरोगेट मदर बच्चे की बायोलॉजिकल मां नहीं होती है, बल्कि वह सिर्फ बच्चे को जन्म देती है। इस प्रक्रिया में संतान प्राप्ति को इच्छुक दंपत्ति में पिता का शुक्राणु और माता का अंडाणु लेकर आईवीएफ तकनीक से टेस्ट ट्यूब में निषेचन किया जाता है। निषेचन के बाद भ्रूण को सरोगेट मदर के गर्भाशय में ट्रांसप्लांट किया जाता है। भारत में सरोगेसी कानून के अनुसार, जब किसी महिला को गर्भधारण में शारीरिक या चिकित्सकीय कठिनाई होती है, तभी वह सरोगेसी के माध्यम से संतान सुख की प्राप्ति कर सकते हैं। सरोगेसी के लिए विवाहित जोड़े में पुरुष की उम्र 26 साल से 55 साल के बीच और महिला की उम्र 23 से 50 साल के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा महिला यदि विधवा अथवा तलाकशुदा है तो उसकी उम्र 35 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए, ऐसी महिलाओं के अंडाणु से स्पर्म के निषेचन के लिए डोनर पुरुष का सहारा लिया जाता है। भारत में कानून के मुताबिक कुंवारी महिला जो पहले से ना तो शादीशुदा है ना ही विधवा है, वह सरोगेसी के तहत मां बनने के योग्य नहीं है। इसके अलावा लिविंग में रहने वाले जोड़े, समलैंगिक कपल और एकल पुरूष भी सरोगेसी के तहत संतान सुख प्राप्त करने के योग्य नहीं है। वैसे दंपति अथवा विधवा महिला जिन्हें पूर्व से संतान है वह भी सरोगेसी के तहत संतान प्राप्ति के योग्य नहीं है।

थरुर की रुसी यात्रा पर उठे सवाल, यात्रा सरकारी कूटनीति का हिस्सा थी या निजी?

-खड़गे ने कहा था- कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी को पहले तरजीह देते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी की तारीफ के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सुनाने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऐसा काम किया है जिससे कांग्रेस को स्वीकार करना सहज नहीं है। दरअसल शशि थरूर रूस यात्रा पर हैं। उन्होंने वहां के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इससे सियासी हलचल पैदा हो गई है।

बता दें मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी पहले को तरजीह देते हैं। जानकारों का कहना है कि उनकी यह टिप्पणी शशि थरूर को लेकर थी। थरूर बीते कुछ समय से पीएम मोदी और ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ कर रहे हैं। दुनिया में भारत का पक्ष रखने वाली सांसदों की टीम में वह थरुर काफी सक्रिय रहे थे।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तनातनी ने सियासत को गरमा दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब थरूर ने अपने एक लेख में ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक प्रचार के लिए पीएम मोदी की ऊर्जा और गतिशीलता को भारत की अहम संपत्ति बताया था। इसके बाद खड़गे ने थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी भाषा बहुत अच्छी है, इसलिए उन्हें कार्यसमिति में रखा गया। कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी को पहले तरजीह देते हैं।

जवाब में थरूर ने एक्स पर एक रहस्यमय पोस्ट शेयर किया जिसमें लिखा- उड़ने की अनुमति न मांगो, पंख तुम्हारे हैं, आकाश किसी का नहीं। इसके तुरंत बाद थरूर की रूस यात्रा और वहां विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात ने सवाल खड़े किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर 24 जून को मॉस्को में प्रिमाकोव रीडिंग्स में अपनी किताब इंग्लोरियस एम्पायर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री के प्रचार के लिए गए थे। इस मुलाकात का समय और संदर्भ खासकर खड़गे की टिप्पणी के बाद इसे कूटनीतिक या निजी हितों से जोड़कर देखा गया।

कोरोना के 22 और नए वायरस मिले, ये मौत से पहले इंसान को बना देंगे पागल?

-शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों में ये नए वायरस खोजे, जो मचा सकते हैं हाहाकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। कोरोना वायरस से मची तबाही भूल नहीं सकते। ये ऐसी महामारी थी, जिसने न लाखों लोगों की जान ले ली, बल्कि संक्रमण की वजह से मानवीय रिश्तों में भी दरार देखने को मिली। अब इस कोरोना के 22 और वायरस लाइन में हैं, जिनके निकलते ही हर तरफ हाहाकार मच जाएगा। ये खोज ऐसे समय सामने आई है जब दुनिया अभी भी कोविड-19 महामारी के नए वेरिएंट से जूझ रही है। कोविड-19 का पहला मामला 2019 में चीन के वुहान शहर में सामने आया था। एक बार फिर चमगादड़ों के ज़रिये ही 22 जानलेवा वायरस फिर फैल सकते हैं, जो मौत से पहले इंसान को पागल बना देंगे।

चीन में शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों में कम से कम 20 नए वायरस खोजे हैं, जिनसे पशुओं और इंसानों में भविष्य में खतरा पैदा हो सकता है। युनान प्रांत में 2017 से 2021 के बीच 142 चमगादड़ों के गुर्दे के ऊतकों से 22 वायरसों की पहचान की गई है। इनमें से दो वायरस हेंड्रा और निपाह की तरह ही हैं। रिसर्च में एक अज्ञात बैक्टीरिया और क्लोसिएला युन्नानेंसिस नाम का एक परजीवी मिला है। चमगादड़ फलों के बागों और गांवों के आसपास रह रहे थे, जिससे चमगादड़ के मूत्र के जरिए फलों को दूषित करने का खतरा है। यह इंसानों या पशुओं में बेहद आसानी से फैल सकता है।

ये वायरस युनान बैट हेनिपावायरस 1 और 2, पहले अज्ञात थे और इनका जेनेटिक मटेरियल, अन्य हेनिपावायरस से 52 से 57 फीसदी मिलता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ये वायरस फलों या पानी के जरिए इंसानों तक पहुंच सकते हैं यानि इनका संक्रमण बहुत ही आसान होगा। कोरोना की तरह सांस की गंभीर बीमारी के अलावा ये वायरस दिमाग में सूजन पैदा कर सकते हैं, जो मरीज के मस्तिष्क को डैमेज करेगा। ये वायरस चमगादड़ों के गुर्दों में पाए गए हैं और इंसानों या पशुओं में फैलने की संभावना रखते हैं। इनके कारण कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। अभी तक शोधकर्ताओं ने किसी नई महामारी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन खतरे को गंभीरता से लिया है।

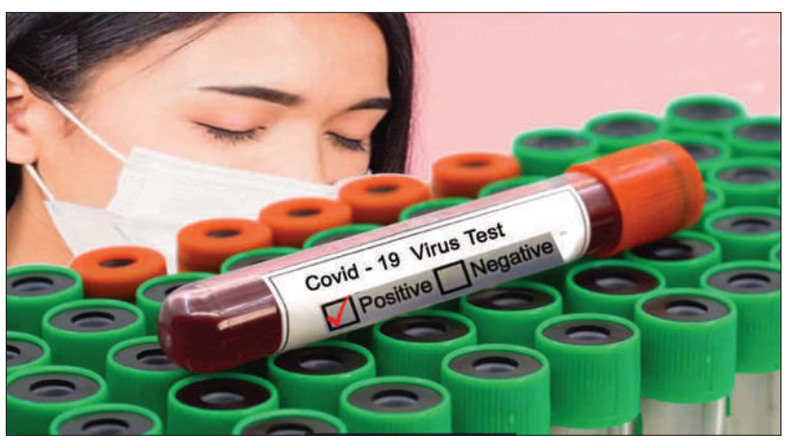

आईसीसी ने क्रिकेट में बदले ये नियम

लीड्स (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (आईसीसी) ने क्रिकेट में कई बदलाव करते हुए नये नियम लागू कर दिये हैं। इसमें स्टॉप क्लॉक से डीआरएस और नो बॉल से शॉर्ट रन तक के नियम हैं। आईसीसीस ने ये बदलाव इसलिए किये हैं जिससे कि खेल का रोमांच लौटे। वहीं बाउंड्री लॉ और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35वें ओवर के बाद एक ही गेंद से गेंदबाजी करना शामिल है। कुछ नियम 17 जून से शुरू हुई नई डब्ल्यूटीसी साइकल में लागू हो गए हैं। वहीं इसके अलावा 2 जुलाई से कुछ और नियम लागू होने वाले हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक, लार पर प्रतिबंद रहेगा और गेंद नहीं बदली जाएगी। इसके अलावा डीआरएस से जुड़े कुछ नियम बदलने वाले हैं। नई खेल नियमों का खाका भी आईसीसी ने हाल ही में अपने सदस्य देशों को भेजा है।

लार पर प्रतिबंध

गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी है, लेकिन आईसीसी ने कहा है कि अब अंपायरों के लिए गेंद पर लार पाए जाने पर गेंद को बदलना अनिवार्य नहीं है। यह बदलाव ऐसी स्थिति से बचने के लिए किया गया है, जहां गेंद को बदलने की कोशिश करने वाली टीमें जानबूझकर उस पर लार लगाती हैं। इसलिए आगे चलकर, अंपायर केवल तभी गेंद को बदलेंगे, जब उसकी कंडीशन में बहुत ज्यादा बदलाव हुआ हो - जैसे कि अगर वह बहुत गीली दिखाई दे या उसमें ज्यादा चमक हो। यह पूरी तरह से अंपायरों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। साथ ही, अगर अंपायरों के यह कहने के बाद भी कि लार के इस्तेमाल से गेंद की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है, गेंद में कुछ बदलाव होने लगे, तो उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि, बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन दिए जाएंगे।

डीआरएस प्रोटोकॉल

उदाहरण के तौर पर - एक बल्लेबाज को कैच आउट करार दिया गया है और वह रिव्यू के लिए कहता है। अल्ट्राएज दिखाता है कि गेंद वास्तव में बल्ले से नहीं लगी और सीधी पैड से टकराई है। इस केस में बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो टीवी अंपायर अब तक आउट होने के दूसरे तरीके की जांच करता है और बॉल-ट्रैकिंग के माध्यम से यह सत्यापित करने की कोशिश करता है कि बल्लेबाज एलबीडब्ल्यू है या नहीं। अब तक इस तरह के रिव्यू के दौरान प्रोटोकॉल यह था कि एक बार यह निर्धारित हो जाने के बाद कि बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो आउट होने के दूसरे तरीके यानी एलबीडब्ल्यू के लिए डिफॉल्ट निर्णय नॉट आउट होता था। इसका मतलब है कि अगर बॉल-ट्रैकिंग से अंपायर्स कॉल आता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट ही रहेगा, लेकिन अपडेट किए गए नियमों के तहत जब एलबीडब्ल्यू के लिए बॉल-ट्रैकिंग ग्राफिक प्रदर्शित किया जाता है, तो उस पर ऑरिजनल डिसिजन लेबल आउट लिखा होगा और अगर समीक्षा में अंपायर का फैसला आता है, तो बल्लेबाज आउट हो जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक रूल

सफेद गेंद प्रारुप में स्टॉप क्लॉक शुरू हुए एक साल का समय हो चुका है। आईसीसी ने इस नियम को टेस्ट क्रिकेट में भी शुरू करने का फैसला किया है, क्योंकि इस फॉर्मेट में धीमी ओवर गति लंबे समय से एक समस्या बना हुआ है। नियम के अनुसार, गेंदबाजी करने वाली टीम को पिछले ओवर के खत्म होने के एक मिनट के भीतर ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसा ना करने पर उन्हें अंपायरों से दो वॉर्निंग मिलेंगी। तीसरी बार मे अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रनों की पेनल्टी लगाएंगे। 80 ओवर के प्रत्येक ब्लॉक के बाद वॉर्निंग फिर से शुरू होगी। ओवर की आखिरी गेंद के प्ले से बाहर जाते ही स्कीन पर उल्टी गिनती 60,59,58...3,2,1 शुरू होगी। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनपशिप चक्र से लागू हो गया है।

कंबाइंड रिव्यू

आइईसीसी ने अंपायर और खिलाड़ी दोनों के रेफरल को शामिल करते हुए कंबाइड रिव्यू के दौरान निर्णय की प्रक्रिया को संशोधित करने का भी निर्णय लिया है। आईसीसी ने फैसला किया है कि एक के बाद एक यानी क्रॉनोलॉजिकल ऑर्डर में रिव्यू होगा। अब तक, संयुक्त समीक्षा के दौरान टीवी अंपायर खिलाड़ी की समीक्षा पर जाने से पहले अंपायर रिव्यू लेता था। संशोधित आईसीसी खेल शर्तों में नियम 3.9 कहता है, यदि पहली घटना से यह निष्कर्ष निकलता है कि बल्लेबाज आउट हो गया है, तो उस समय गेंद को डेड माना जाएगा, जिससे दूसरी घटना की जांच अनावश्यक हो जाएगी। इसलिए यदि एलबीडब्लू के साथ-साथ रन आउट की अपील होती है, तो टीवी अंपायर अब पहले लेग-बिफोर का रिव्यू लेगा, क्योंकि वह पहले हुई थी। यदि बल्लेबाज आउट हो जाता है, तो गेंद को डेड घोषित कर दिया जाएगा।

नो बॉल पर फेयर कैच होगा रिव्यू

मान लीजिए कि ऐसा कोई मामला है, जिसमें दोनों ऑन-फील्ड अंपायर इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि कैच क्लीन पकड़ा गया है या नहीं, लेकिन जब वे विचार-विमर्श कर रहे होते हैं, तो टीवी अंपायर उन्हें बताता है कि यह नो-बॉल थी। प्लेइंग कंडीशन्स के पिछले संस्करण में, नो-बॉल का संकेत दिए जाने के बाद टीवी अंपायर को कैच की निष्पक्षता पर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती थी, लेकिन अपडेट की गई प्लेइंग कंडीशन्स में, तीसरा अंपायर अब कैच की समीक्षा करेगा और अगर यह एक फेयर कैच है तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को नो-बॉल के लिए केवल एक अतिरिक्त रन मिलेगा। हालांकि, अगर कैच फेयर नहीं है, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को बल्लेबाजों द्वारा लिए गए रन भी मिलेंगे।

जानबूझकर शॉर्ट रन

अभी तक, अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर शॉर्ट रन लेते हुए पकड़ा जाता था, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन की पेनल्टी भुगतनी पड़ती थी, लेकिन अपडेट किए गए नियमों में अगर कोई बल्लेबाज अतिरिक्त रन चुराने के लिए जानबूझकर मैदान पर नहीं जाता है, तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर रखना चाहते हैं। साथ ही, पांच रन की पेनल्टी भी सजा का हिस्सा बनी रहेगी। खेल की शर्तों के नियम 18.5.1 में कहा गया है, जानबूझकर लिया गया शॉर्ट रन बल्लेबाजों द्वारा एक से अधिक रन बनाने का प्रयास है, जबकि कम से कम एक बल्लेबाज

जानबूझकर एक छोर पर दूर तक ना जाए। बल्लेबाज रन ना लेने का विकल्प चुन सकते हैं, बशर्ते अंपायर को लगे कि संबंधित बल्लेबाज का अंपायरों को धोखा देने या ऐसा रन बनाने का कोई इरादा नहीं था, जिसमें उन्होंने क्रीज को नहीं बदला।

घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूर्ण-कालिक स्थानापन्न खिलाड़ी

गंभीर बाहरी चोट से पीड़ित खिलाड़ी के नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी ने बोर्ड से अपने घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक पूर्णकालिक स्थानापन्न खिलाड़ी को मैदान में उतारने का परीक्षण करने के लिए कहा है, जो आकर टीम के प्रतिभागी की भूमिका निभा सकता है। रिप्लेसमेंट प्लेयर को एक जैसा होना होगा, जैसा कि एक कनकशन सब के मामले में होता है। चोट स्पष्ट होनी चाहिए और मैच अधिकारियों को दिखाई देनी चाहिए, तभी वे फुलटाइम रिप्लेसमेंट की अनुमति देंगे। यह उन खिलाड़ियों पर लागू नहीं होगा जो हैमस्ट्रिंग खिंचाव या छोटी-मोटी चोटों से पीड़ित हैं। यह नियम परीक्षण के आधार पर होगा और इसे पूरी तरह से सदस्य देशों पर निर्भर करता है कि वे अपने घरेलू प्रथम श्रेणी सर्किट में इसे लागू करें।

कैरीसा के नाम केयर्न्स कप का खिताब, भारत की हरिका तीसरे स्थान पर

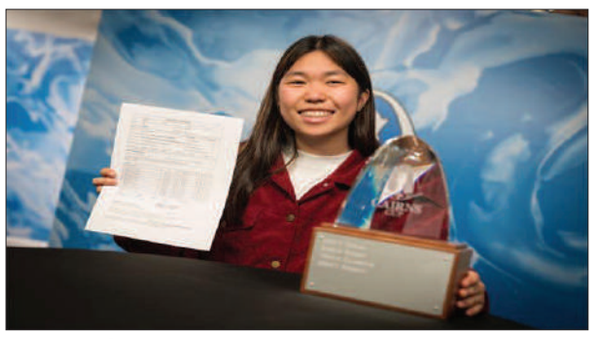

स्पोर्ट्स डेस्क। सयुंक्त राज्य अमेरिका के सेंट लुइस (निकलेश जैन) में 10 जून से शुरू हुई अमेरिका और विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप का समापन मेजबान देश की खिताबी जीत से हुआ और मेजबान देश की ही कैरीसा यिप ने यह प्रतियोगिता जीतकर केयर्न्स कप का खिताब जीता, साथ ही साथ उन्होंने अपना दूसरा ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी हासिल किया।प्रतियोगिता की कुल इनामी राशि 250000 डॉलर थी और कैरीसा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 65000 डॉलर अपने नाम किए। बड़ी बात यह रही की दूसरे स्थान पर भी यूएसए की ही खिलाड़ी एलिस ली रही जिन्होने 50,000 डॉलर अपने नाम किए , भारत की हरिका द्रोणावल्ली तीसरे स्थान पर रही और उन्होने 40,000 डॉलर अपने नाम किए । एक समय खिताब की बड़ी दावेदार लग रही कोनेरु हम्पी अंतिम दौर मे तीन अप्रत्याशित हार से पांचवें स्थान पर सरक गयी

इस प्रतियोगिता में 7 देशों से कुल 10 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया और प्रतियोगिता में हर एक खिलाड़ी ने बचे हुए 9 खिलाड़ियों से बाज़ियाँ खेलीं और प्रतियोगिता की समय सीमा के अंतर्गत यह एक क्लासिकल प्रतियोगिता थी जिसमें 90 मिनट शुरू की 40 चालों के लिए और उसके बाद अतिरिक्त 30 मिनट 41वीं चाल से दोनों ही खिलाड़ियों को मिले, साथ ही साथ पहली चाल से 30 सेकंड का बोनस भी था।

सूर्यकुमार की सर्जरी हुई

म्यूनिख। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की स्पोर्ट्स हर्निया के लिए जर्मनी के म्यूनिख शहर में सर्जरी हुई है। सूर्यकुमार पिछले कुछ समय से इसके कारण दर्द से परेशान थे। इसी कारण उन्होंने टी20 क्रिकेट के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले सर्जरी कराना ही सही समझा। सूर्यकुमार का इलाज जर्मनी के म्यूनिख में हुआ। स्पोर्ट्स हर्निया से वे परेशान थे, इसी लिए आईपीएल 2025 समाप्त होने के बाद

वह सर्जरी के लिए वहां गये। इसकी सर्जरी सफल रही जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की एक तस्वीर जारी करते हुए कहा कि वह अब सर्जरी से उबरने की प्रक्रिया में हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही जिसके बाद अब मैं ठीक हो रहा हूं और बेसब्री से वापस आने का इंतजार कर रहा हूं। सूर्यकुमार ने अभी अपनी वापसी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है पर उम्मीद है कि वह अगस्त तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे और पेशेवर क्रिकेट में लौट जाएंगे। अगस्त तक भारतीय टी20 टीम का कोई कार्यक्रम नहीं है, इससे सूर्यकुमार के बाहर होने से भी भारतीय टीम को कोई नुकसान नहीं होगा। भारतीय टीम को 17 अगस्त से बांग्लादेश के दौरे पर जाना है, जहां सीमित ओवरों की सीरीज होगी। पहले तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी और फिर इतने ही मैचों की टी20 सीरीज होनी है। इसी टी20 सीरीज से सूर्यकुमार वापस आयेंगे।

पृथ्वी शॉ ने मानी अपनी गलती बोले, में भटक गया था, कठिन समय में केवल ऋषभ ने दिया साथ

मुम्बई । खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने माना है कि उन्होंने अपने करियर में गलतियां की हैं जिनका नुकसान अब उन्हें उठाना पड़ा है। साथ ही कहा कि वह खराब फैसले ले रहे। पृथ्वी ने कहा कि कठिन समय में केवल ऋषभ पंत ने ही उनका साथ दिया और हौंसला बढ़ाया। पृथ्वी के अनुसार जब वह अपनी जिंदगी में बेहद 'अकेले' थे तो वो केवल ऋषभ ही थे जिन्होंने उनसे संपर्क किया। एक समय वह भारतीय टीम में अगले सचिन तेंदुलकर माने जा रहे थे पर आज हालत इतनी खराब है कि वह मुंबई की घरेलू टीम से भी बाहर कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भी कोई खरीदार नहीं मिला। यह उस युवा बल्लेबाज़ के लिए गहरा झटका है, जिसने केवल 18 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टेस्ट शतक लगा दिया था। शॉ कहा, जब भी मैं टूटता था, ऋषभ पंत मुझसे बात करता था। वो आज भी करता है जब उसे लगता है कि मैं ठीक नहीं हूं, वो खुद मुझसे बात करता है। इससे साफ था कि अकेलेपन ने शॉ को भीतर से तोड़ दिया है। पृथ्वी ने भावुक होकर माना, 'मैं बहुत मेहनती था, घंटों नेट्स में बल्लेबाजी करता था। मैदान मेरा घर था पर फिर धीरे-धीरे मैंने क्रिकेट को कम समय देना शुरू कर दिया। मैंने गलत फैसले लिए। खुद को गलत लोगों से घेर लिया।'

2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा दूसरा टेस्ट

लीड्स (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच अब अगले माह 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में पहला टेस्ट जीतने के साथ ही मेजबान इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। ऐसे में अब बराबरी के लिए भारतीय टीम को दूसरा मैच जीतना होगा। अभी इस मैच में एक सप्ताह का समय है। इससे टीमों को तरोताजा होने के लिए भी पर्याप्त समय मिल जाएगा। भारतीय समय के अनुसार दूसरा टेस्ट दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा। वहीं तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 10-14 जुलाई के बीच खेला जाएगा। चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर 23-27 जुलाई के बीच खेला

जाएगा जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच लंदन के केनिंग्टन ओवल में 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट में उतरते ही दोनो टीमें अपना 138वां टेस्ट खेलेंगी।

दोनों टीमों के बीच अब तक 137 टेस्ट हुए हैं। इसमें भारतीय टीम 35 में जीत मिली है जबकि इंग्लैंड को 52 टेस्ट में जीत मिली है जकि 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम को अगर दूसरा टेस्ट जीतना है तो उसे गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा।

भारतीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

वॉन ने बदली अपने भविष्यवाणी बोले, इंग्लैंड 4-0 से जीतेगी

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कमेंटेटर माइकल वॉन भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद बेहद उत्साहित हैं। वॉन का कहना है कि इंग्लैंड टीम

इस सीरीज में 4-0 से जीतेगी जबकि सीरीज से पहले उन्होंने कहा था कि उनकी टीम सीरीज 3-1 से जीत रही है। पहले टेस्ट में जीत से वॉन की भविष्यवाणी भी बदल गयी। वॉन की आम तौर पर- सोशल मीडिया में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर से बहस होती रहती है। ये दोनों दिग्गज कई बार एक दूसरे पर निशाना साधते रहे हैं। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में 471 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से वॉन को जाफर पर कटाक्ष करने का अवसर मिल गया। वॉन ने सोशल मीडिया में लिखा , हम सीरीज जीत रहे हैं। उम्मीद है जाफर आप ठीक होंगे जाफर ने इसके जवाब में वॉन की एक तस्वीर शेयर करते हुए लखा, 'खुशी है कि एक युवा भारतीय टीम ने आपको इस तरह से चिंतित कर दिया। जीत का आनंद लें, माइकल, हम वापस आएंगे।' वॉन यहीं नहीं रुके, जाफर के इस पोस्ट का जवाब देते हुए उन्होंने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की भविष्यवाणी कर दी। सीरीज शुरु होने से पहले वॉन ने कहा था कि इंग्लैंड 5 मैच की इस सीरीज को 3-1 से जीतेगा, मगर हेडिंग्ले में पहला टेस्ट जीतने के बाद उन्होंने कहा कि इंग्लैंड अब यह सीरीज 4-0 से जीतने वाला है। दोनो टीमों के बीच दूसरी टेस्ट दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा।

जोसेफ और सील्स ने बिखेरा जलवा, एक ने 4 तो दूसरे ने चटकाए 5 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 180 रन पर ढेर

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज का पहला मैच केंसिंग्टन ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और पहली पारी में केवल 180 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया को 180 पर रोकने का श्रेय वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजो को जाता है जिसमें जायडेन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी की।

जायडेन सील्स और शमार जोसेफ ने कुल 9 विकेट चटकाए। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक क्रीज पर टिकने नहीं दिया। सील्स ने 60 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि जोसेफ ने 46 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। शमार जोसेफ ने अपनी

गेंदबाजी से एक बार फिर प्रभावित किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया खिलाफ मैच में 16 ओवर फेंके जिसमें 2.88 की इकॉनमी रेट से 46 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए जिससे उनकी टीम को विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। इस प्रदर्शन ने उनके फैंस और क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान उनकी तरफ आकर्षित किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन ट्रेविस हेड 78 गेंदो में 59 रन, जबकि उस्मान ख्वाजा के बल्ले से 128 गेंदो में 47 रन निकले।

वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी अटैक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए काल बनकर आया। इसके जवाब में कप्तान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने भी अच्छी गेंदबाज़ी करते हुए कुल 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की मैच में वापसी कराई। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही जिसमें दोनों ओपनर्स क्रैग और जॉन सस्ते में पवेलियन लौटे। पहले दिन के खेल खतम होने तक वेस्टइंडीज ने 57 रन पर 4 विकेट खो दिए। ब्रैंडन किंग (23) और रोस्टन चेज (1) रन बनाकर नाबाद क्रीज पर डटे हैं।

अब टेस्ट मैचों में भी धीमी ओवर गति के लिए लगेगा जुर्माना

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) खेल में रोचकता बनाये रखने के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव करती रहती है। इसी के तहत ही अब आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी स्टॉप क्लॉक को लेकर नया नियम लेकर आई है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये नियम पहले से ही है। इसमें धीमी ओवर गति के लिए 5 रनों का जुर्माना लगाया जाएगा। मैच समय पर समाप्त करने और धीमी ओवर गति से बचने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है। पिछले कुछ समय में देखा गया है कि एक दिन में टीमें पूरे 90 ओवर नहीं कर पा रही है। जिसकी वजह से आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी यह नियम लेकर आई है। टेस्ट क्रिकेट में धीमें ओवर रेट को कम करने के लिए आईसीसी यह नियम लेकर आया है। इस नियम के अनुसार, फ़ील्डिंग करने वाली टीम को एक ओवर के समाप्त होने के एक मिनट के अंदर ही दूसरा अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। वहीं ऐसा न करने पर उन्हें अंपायरों से दो बार चेतावनी मिलेंगी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान अंपायरों ने बेन स्टोक्स और शुभमन गिल को भी ऐसी ही चेतावनी दी थी। इसके बाद भी अगर टीम नहीं मानती तो अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रन का जुर्माना लगाएंगे। 80 ओवर तक यह दो वॉर्निंग चलेगी, इसके बाद इसे बदल दिया दिया जाएगा। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत से ही लागू हो गया है।

डब्ल्यूडब्ल्य ई नहीं बदलेगा कोडी रोड्स का कोडी रोड्स थीम सॉन्ग

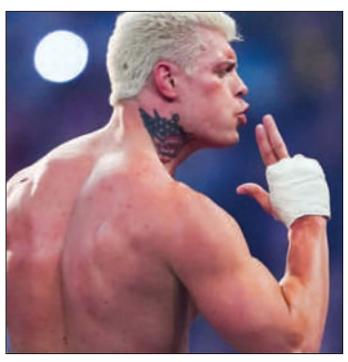

सेन डियागो । डब्ल्यूडब्ल्यू ई के पूर्व चैम्पियान चैंपियन कोडी रोड्स एक बार फिर इसमें विजेता बनना चाहते हैं। वहीं डब्ल्यूडब्ल्य ई कई बदलाव करने जा रहा है। इसमें प्रवेश के समय बजाये जाने वाले थीम सॉन्ग किंगडम में भी बदलाव हो सकता है पर इसमें कोडी रोड्स के थीम सॉन्ग को नहीं बदला जा सकता है। इसको गाने वाले शॉन रॉस सैप ने भी इसकी पुष्टि की है। सैप ने कहा कि कोडी रोड्स का यह सिग्नेचर थीम सॉन्ग बना रहेगा। सैप ने साफ किया कि कंपनी में रोड्स की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा होने की संभावना नहीं है। सैप ने कहा, मुझे लगता है कि रोड्स के पास इतनी क्षमता है कि वह इससे बच सकता है। यह उसके परफॉर्मेंस और डब्ल्यूडब्ल्य ई के प्रदर्शन का एक अहम हिस्सा है। आप वहां जाना चाहते हैं और आप गाना सुनना चाहते हैं, यह सब अच्छा है। मुझे लगता है कि यह बहुत बुरा होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर रोड्स खुद इसे बदलना चाहें तो यह अलग बात है पर इसके लिए कोई उनहें मजबूर नहीं करेगा और न ही ऐसी कोई संभावना है। रोड्स ने पहले अपने थीम सॉन्ग किंगडम को बदलने का विचार रखा था। वह चाहते थे कि उनकी बेटी लिबर्टी फेमस लाइन रेसलिंग हेज मोर देन वन रॉयल फैमिली को फिर से रिकॉर्ड करे जिससे कि गाने में उनकी भावनाएं शामिल हो।

कैसे विश्व नंबर 6 शतरंज खिलाड़ी अब्दुसत्तारोव को मिली कभी ना भूलने वाली हार

ताशकंत , उज्बेकिस्तान । उज़चेस कप सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट के छठे राउंड में मेज़बान उज्बेकिस्तान के टॉप ग्रांडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव को एक ऐसी अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा, जिसे वह शायद ही कभी भूल पाएंगे। अपने ही हमवतन नोदिरबेक याकूबबोएव के खिलाफ 131 चालों तक चले लंबे संघर्ष में अब्दुसत्तारोव ने लगभग ड्रॉ हो चुकी बाजी को आखिरी क्षणों में भारी गलती करते हुए गंवा दिया। इस बाजी में शुरुआत से ही याकूबबोएव बेहतर स्थिति में थे, लेकिन विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों में गिने जाने वाले अब्दुसत्तारोव ने अनुभव का परिचय देते हुए खेल को बराबरी पर ला खड़ा किया। स्थिति पूरी तरह से ड्रॉ की ओर बढ़ रही थी और दोनों खिलाड़ी 50-चाल नियम के बेहद करीब थे, तभी अब्दुसत्तारोव से एक बड़ी चूक हो गई और खेल याकूबबोएव की झोली में चला गया। यह हार इसलिए और भी पीड़ादायक रही क्योंकि एक राउंड पहले तक अब्दुसत्तारोव टूर्नामेंट में एकल बढ़त पर थे और प्रबल खिताबी दावेदार माने जा रहे थे। लेकिन इस अप्रत्याशित पराजय ने न केवल उनकी बढ़त खत्म कर दी, बल्कि खिताबी दौड़ को भी और रोमांचक बना दिया। छठे राउंड के बाद अब्दुसत्तारोव, अर्जुन एरिगासी और परहम मघसूदलू 4 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। अब्दुसत्तारोव की यह हार न केवल उनकी व्यक्तिगत स्थिति के लिए झटका रही, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शीर्ष स्तर पर एक क्षणिक चूक भी पूरी बाजी को पलट सकती है। अब जबकि टूर्नामेंट में सिर्फ तीन राउंड बाकी हैं, देखना होगा कि क्या अब्दुसत्तारोव इस झटके से उबर पाते हैं या खिताब किसी और के हाथ लगने वाला है।

ग्रीनलैंड - तीन महीने तक 24 घंटे सूरज की रोशनी में गुलजार होंगे फुटबॉल मैदान

नुउक (ग्रीनलैंड) (एजेंसी)। यूं तो ग्रीनलैंड साल में अधिकांश समय बर्फ से ढका रहता है लेकिन जून से अगले तीन महीने यहां 24 घंटे सूरज की रोशनी रहती है जिसका इंतजार फुटबॉल के दीवाने यहां के लोगों को बेसब्री से रहता है ताकि वे अपना पसंदीदा खेल देख सकें या मैदान पर अपना हुनर दिखा सकें। करीब 56000 की आबादी वाले द्वीप में 10 प्रतिशत यानी करीब 5600 लोग पंजीकृत फुटबॉल खिलाड़ी हैं।

जून की शुरूआत में जब मध्य अमेरिका, उत्तर परिसंघ और कैरेबियाई फुटबॉल संघ (कोंकाकाफ) ने मिलकर ग्रीनलैंड फुटबॉल संघ का सदस्य बनने का आवेदन खारिज कर दिया तो यहां के फुटबॉल प्रेमियों को करारा झटका लगा। खनिजों से भरे और रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण इस द्वीप पर कब्जा करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ख्वाहिश के चलते कुछ लोगों ने इसके लिए राजनीति को दोषी ठहराया।

कोंकाकाफ फीफा के अधीन छह उपमहाद्वीपीय महासंघों में से एक है। नाटो सहयोगी डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारों की फटकार के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सैन्य बल के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं का कहना है कि यह द्वीप बिक्री के लिए नहीं है और उन्होंने अर्ध-स्वायत्त डेनमार्क के क्षेत्र पर अमेरिका द्वारा खुफिया जानकारी जुटाने की रिपोर्टों की निंदा की है। ग्रीनलैंड फुटबॉल टीम के कप्तान पैट्रिक फ्रेडरिकसेन ने हालांकि कहा कि यह फैसला आर्थिक कारणों से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'हम सभी को पता है कि ग्रीनलैंड यात्रा करना कितन कठिन है।'

इस महीने की शुरूआत में अमेरिका से ग्रीनलैंड की सीधी उड़ान यहां पहुंची। न्यूजर्सी से नुउक तक का एक तरफ का टिकट 1200 डॉलर है। बाकी उड़ाने आइसलैंड या कोपेनहेगन होकर आती हैं। इन सभी के बीच यहां के निवासियों की फुटबॉल को लेकर दीवानगी कम नहीं हुई है। अगले तीन महीनों में जब तापमान पांच से 10 डिग्री सेल्सियस के करीब होगा, वे फुटबॉल खेलने में अधिकांश समय बिताना चाहते हैं।

एक खिलाड़ी एंगुटिमारिक क्रेउत्जमैन ने कहा, 'हम पूरी रात फुटबॉल खेलेंगे। अंधेरा नहीं होने वाला है तो हमारे पास समय ही समय है।' नुउक में एक क्लब के कोच आस्कर स्कॉट कार्ल ने कहा, 'आपको यहां एक मैच देखना चाहिए। इतने सारे लोग इसे देखने के लिए जुटते हैं। इससे देश में एकजुटता की

भावना आती है।' सर्दियों के लंबे मौसम में अधिकांश खिलाड़ी फुटसाल खेलते हैं जो एक खास तरह की गेंद से हैंडबॉल कोर्ट पर खेला जाने वाला इंडोर फुटबॉल खेल है। इसमें एक टीम में पांच खिलाड़ी होते हैं।

क्रोएशिया में फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग एन्जॉय कर रहे कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों क्रोएशिया में अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग कर रहे हैं, वहीं शूटिंग के दौरान वह हर पल का आनंद लेते दिखाई दिए। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कई तस्वीर और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में कार्तिक बिजी शेड्यूल में भी मौज-मस्ती करते दिखे। अभिनेता तस्वीरों में सुंदर जगहों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहले वीडियो में वह फुटबॉल खेलते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि, दूसरी तस्वीर में वह एक स्थानीय पिज्जा आउटलेट के बाहर पोज देते दिखाई दिए। दूसरी वीडियो में वह एक लाइव सॉन्ग कॉन्सर्ट को एन्जॉय कर रहे हैं। तीसरी वीडियो में वह कार में बैठे हुए अपनी दाढ़ी सेट करवाते दिखाई दे रहे हैं, उनके चारों ओर फिल्म के क्रू मेंबर्स हैं, सभी मिलकर हंसी-मजाक कर रहे हैं।

पोस्ट को शेयर करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी कुछ दिन पहले, अनन्या पांडे ने क्रोएशिया में कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म का शेड्यूल पूरा किया था। इसको यादगार बनाने के लिए कार्तिक और अनन्या ने अपनी पिछली फिल्म पति पत्नी और वो के हिट ट्रैक धीमे धीमे पर डांस किया था। डांस में दोनों ने गाने का सिग्नेचर हुक स्टेप परफॉर्म किया, वीडियो शेयर कर कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, अपनी अनन्या का शेड्यूल रैप हो और हम धीमे-धीमे पर डांस ना करें, ऐसा कैसा हो सकता है।

करण जौहर के प्रोडक्शन में बन रही फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के जरिए दोनों पहली बार किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए साथ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन समीर कर रहे हैं। इससे पहले यह जोड़ी साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म पति पत्नी और वो में नजर आई थी, जिसे मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया था। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक इन दिनों अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का अभी तक टाइटल सामने नहीं आया है।

इस वजह से एक दशक तक फिल्मों से दूर रहीं जेनेलिया देशमुख

जेनेलिया देशमुख बॉलीवुड की सबसे चंचल अभिनेत्रियों में शामिल होती हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल में भी अभिनय किया है। हालांकि एक वक्त ऐसा आया जब उन्होंने फिल्मों से अचानक ब्रेक ले लिया। वह लगभग एक दशक तक फिल्मों से गायब रहीं। उनके फैंस हैरान थे कि अचानक वह लाइमलाइट से दूर क्यों हो गई थीं। जेनेलिया ने इसकी वजह बताई है।

एक दशक तक फिल्मों से दूर रहीं जेनेलिया

जेनेलिया देशमुख फिल्मों से क्यों दूर हो गईं उन्होंने इसके बारे में साल 2022 में बात की थी। बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान जेनेलिया ने बताया पिछले 10 वर्षों तक मैं गृहणी थी। मैंने कुछ नहीं किया। मैं वहां सिर्फ रिश्ते के लिए थी। ईमानदारी से कहूं तो वही मेरी जिंदगी थी। उन्होंने बताया गृहणी बनने का काम सबसे कठिन काम है।

जेनेलिया ने परिवार को दी अहमियत

आपको बता दें कि साल 2012 में रितेश देशमुख से शादी करने के बाद जेनेलिया ने फिल्मों में काम करना छोड़ दिया। उन्होंने घर की और मां की जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने अपने बच्चों रियान और राहिल के लिए फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्होंने फिल्मों से संन्यास नहीं लिया था। उन्होंने बस परिवार को ज्यादा अहमियत दी थी।

जेनेलिया में है रियल आकर्षण

जहां कई अभिनेत्रियां ग्लैमरस भूमिकाओं के पीछे भागती हैं, वहीं जेनेलिया अपने आकर्षण के साथ अलग दिखती हैं। जेनेलिया ने बताया कि उन्होंने एक साल में सबसे ज्यादा विज्ञापन करने के लिए अवॉर्ड जीता है। लोग हैरान थे कि एक साधारण दिखने वाली एक्ट्रेस को लोग कैसे इतना ज्यादा पसंद करते हैं।

सितारे जमीन पर में किया बेहतरीन काम

जेनेलिया देशमुख साल 2022 में अपने पति के साथ वेद फिल्म में नजर आईं। अब जेनेलिया आमिर खान के साथ फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आई हैं। इसमें उन्होंने अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर दिया है। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि एक कोच 10 दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खूब चल रही है।

अल्लू अर्जुन नहीं रणवीर ही बनेंगे शक्तिमान

हाल ही में इंटरनेट पर अटकलों की एक नई लहर चली, जिसमें बताया गया कि अल्लू अर्जुन सुपरहीरो सीरीज शक्तिमान में लीड रोल प्ले कर सकते हैं। इस अफवाह ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया, खासकर तब जब एक्टर मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन के करिश्मे और स्क्रीन प्रेजेंस की तारीफ की। हालांकि, मेकर्स ने अब क्लियर कर दिया है कि इस तरह का कोई कास्टिंग अपडेट कार्ड पर नहीं है। शक्तिमान फिल्म पर काम चल रहा है जो मिन्नल मुरली फिल्ममेकर बेसिल जोसेफ डायरेक्ट करेंगे। उन्होंने शुरू से ही रणवीर सिंह को लीड रोल में लेने को लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। जहां इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट के बारे में अक्सर अफवाहें सामने आती रहती हैं, लेकिन प्रोडक्शन के एक करीबी सूत्र ने नई अपडेट को खारिज कर दिया है।

रणवीर सिंह ही होंगे शक्तिमान

सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, शक्तिमान कोई और नहीं कर रहा है। यह रणवीर सिंह ही हैं और कोई नहीं। जो कोई भी उनके हटने की अफवाहें फैला रहा है, उसका अपना एजेंडा है। मतलब साफ है कि इस तरह की अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया। निर्देशक बेसिल जोसेफ ने बॉलीवुड हंगामा से कहा, शक्तिमान केवल रणवीर सिंह के साथ बनाया जाएगा।

अल्लू अर्जुन को मुकेश खन्ना का सपोर्ट

पिछले साल मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक बयान दिया था। आधिकारिक तौर पर किसी का समर्थन किए बिना मुकेश खन्ना ने सुपरहीरो के रोल में अल्लू अर्जुन के बारे में बात की थी और कहा, मैं कमिट नहीं कर रहा हूं, बोल भी नहीं रहा हूं, जज भी नहीं कर रहा हूं लेकिन शक्तिमान बन सकता है वो। असल जिंदगी में भी अच्छा लुक है अच्छी हाइट है... इनके बारे में कहा जा सकता है, सोचा जा सकता है।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन के अभिनय और पुष्पा 2 की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, फिल्म सिर्फ पैसा फेंकने से नहीं बनती। हर फ्रेम बताता है कि उन्होंने अच्छा काम किया है। जब आपको खुद पर भरोसा होता है, तो आप दर्शकों को भी कायल कर देते हैं।

स्पेशल ऑप्स 2 से विकास मनकतला की बहुप्रतीक्षित एंट्री

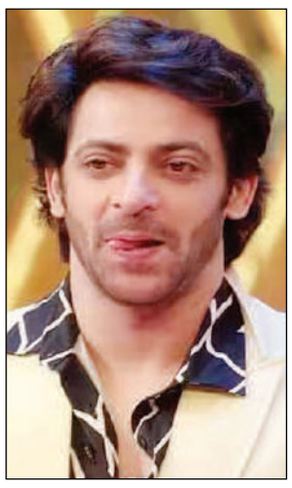

विकास मनकतला ने अपने ओटीटी करियर की धमाकेदार शुरुआत स्पेशल ऑप्स 2 से कर दी है। नीरज पांडे के इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में शामिल होना उनके 19 साल लंबे करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। टीवी से शुरुआत करने वाले इस अभिनेता ने 2006 में चर्चित शो लेफ्ट राइट लेफ्ट से लोगों का दिल जीता था और तभी से वे कई टेलीविजन शोज़ में अपने अभिनय की छाप छोड़ रहे हैं। लगभग दो दशकों की मेहनत और सफर के बाद, विकास अब ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं और वह भी एक ऐसी सीरीज़ के साथ, जो पहले से ही अपनी थ्रिलिंग स्टोरीटेलिंग और दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। इस बदलाव को सिर्फ माध्यम का बदलाव नहीं, बल्कि एक कलाकार के रूप में उनके नए अध्याय की शुरुआत माना जा सकता है। विकास ने अपनी तैयारी के बारे में बोलते हुए कहा, स्पेशल ऑप्स 2 के लिए तैयारी सिर्फ शारीरिक नहीं थी, असली चुनौती थी उस एजेंट की मानसिक स्थिति को समझना। वह मानसिक मजबूती, पल में निर्णय लेने की ताकत और उस जीवन की भावनात्मक कीमत। और यह सब नीरज सर की दूरदृष्टि और मार्गदर्शन से ही मुमकिन हो पाया। हम सभी ने स्क्रीन पर असलियत लाने के लिए दिल से मेहनत की है। यह एक ऐसा रोल है, जो पूरी तरह से समर्पण माँगता है और हमने कोई कसर नहीं छोड़ी। आज जो प्यार मिल रहा है, उसके लिए दिल से आभार है। विकास की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सच्ची प्रतिभा और निरंतर प्रयास का फल जरूर मिलता है। स्पेशल ऑप्स 2 में उनके किरदार को लेकर फैन्स में खासा उत्साह है, और हर कोई देखना चाहता है कि ये अनुभवी अभिनेता इस हाई-ऑक्टेन सीरीज़ में क्या नया लेकर आ रहे हैं।

फातिमा ने कास्टिंग काउच पर की बात

अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनो' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान फातिमा ने मी टू अभियान और कास्टिंग काउच को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में कैसे चीजें बदली हैं और क्या बदलाव आया है।

चीजों में आया है बदलाव

बातचीत के दौरान फातिमा ने कहा कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में एक बदलाव देखने को मिल रहा है। काफी हद तक चीजें बदली हैं और जवाबदेही बढ़ी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि चीजें बदल गई हैं। लोग बहुत ज्यादा जवाबदेह हैं। वे थोड़े ज्यादा डरे हुए हैं। आज ज्यादातर फिल्म सेट पर दुराचार की शिकायतों को पुलिस मामलों में बढ़ने से पहले ही संबोधित करने के यूनिट हैं, ताकि आप उनसे इस मामलों से जुड़ी शिकायतें कर सकें। इन मुद्दों पर बातचीत को अब ज्यादा गंभीरता से लिया जाता है। अब बातचीत होती है। जांच होती है। यह हर इंडस्ट्री में होती है।'

यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'आप किसी के साथ काम कर रहे हैं, आप इंटीमेट हो गए हैं। लेकिन फिर आप समझ नहीं पाते, चीजें बदल जाती हैं। ये सब अक्सर होता है। संदेह का लाभ अक्सर सही ढंग से, महिलाओं को दिया जाता है। क्योंकि यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है। और अब, मी टू के बाद, महिलाएं इसके बारे में बात कर सकती हैं। आपको जवाबदेह ठहराया जाएगा।'

अपने अनुभवों को बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैंने बॉलीवुड में इसका सामना नहीं किया है। ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री खराब है। कोई भी घटना जो हुई है, वह बस एक छोटी सी, छोटी-मोटी बात और कोई बातचीत थी। इस तरह के मुद्दे केवल फिल्म सेट तक ही सीमित नहीं हैं। असल में कॉर्पोरेट जगत में भी यह समस्या उतनी ही गंभीर है। जब आप साथ होते हैं तो कॉर्पोरेट इंडस्ट्री ही जीवन है। इसलिए वहां यह और भी अधिक है। और भी अधिक खतरनाक है।' इस दौरान फातिमा ने पॉश की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस एजेंसी में कलाकारों, क्रू और सभी एचओडी के साथ आप बैठक कर सकते हैं। आपको बताया जाएगा कि आपके अधिकार क्या हैं, क्या उचित है, क्या नहीं।

पवन कल्याण ने बॉलीवुड को कहा मजाक का पात्र

तेलुगू स्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बॉलीवुड के खिलाफ अपने हालिया बयानों से सबका ध्यान खींचा है। एक्टर आगे अपनी दो बड़ी फिल्मों की रिलीज की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे साउथ सिनेमा अपनी भारतीय जड़ों के प्रति अधिक सच्चा रहा है, जबकि बॉलीवुड अधिक व्यवसायिक हो गया है। हाल ही में ऑर्गनाइजर वीकली से बातचीत में पवन कल्याण ने भारतीय सिनेमा शब्द को खारिज कर दिया और इस बारे में बात कि कैसे हर फिल्म इंडस्ट्री ने अपनी व्यक्तिगत ताकत दिखाई है। आगे बढ़ते हुए उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय जड़ों से जुड़ी हिंदी फिल्में मिलना बेहद मुश्किल है क्योंकि बॉलीवुड एक इंडस्ट्री के रूप में अधिक बिजनेस माइंडेड और पैसे के प्रति समर्पित हो गया है। इसे एक मजाकिया बात बताते हुए उन्होंने कहा, समय के साथ यह अलग-अलग पीढ़ियों से आए फिल्ममेकर्स के कारण बदल गया। खासकर, हिंदी सिनेमा। तब से कुछ ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने सांस्कृतिक रूप से जुड़े कैरेक्टर्स को मजाक बना दिया है।

पवन कल्याण ने आगे बताया कि कैसे बॉलीवुड की तुलना में साउथ सिनेमा ने लगातार भारतीय संस्कृति का अधिक प्रतिनिधित्व करने का प्रयास किया है। एक्टर के अनुसार हिंदी सिनेमा ने शायद ही कभी पारंपरिक रूप से जुड़ी हुई फिल्में बनाई हैं, जैसे आमिर खान की दंगल जो भारतीय संस्कृति का बढ़िया उदाहरण है। उन्होंने कहा, आजकल साउथ की फिल्में भारतीय संस्कृति का ज्यादा प्रतिनिधित्व कर रही हैं। हिंदी सिनेमा में भी कुछ समय से ऐसा हो रहा है। उदाहरण के लिए, अगर आप दंगल देखें, तो दंगल भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। यह एक ऐसी फिल्म थी जिसका आपकी भारतीयता से जुड़ाव है। आजकल उस तरह का सिनेमा दुर्लभ हो गया है। वर्कफ्रंट पर पवन कल्याण अपनी अगली फिल्म हरि हर वीरा मल्लू पर नजर गड़ाए हुए हैं, जो 24 जुलाई, 2025 को बड़े पर्दे पर आने वाली है। इसके अलावा, उनकी अगली फिल्म दे कॉल हिम ओजी है, जो इस साल 25 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनके कैलेंडर में उस्ताद भगत सिंह भी शामिल है।

'निकिता रॉय' के लिए बहन सोनाक्षी सिन्हा परफेक्ट

फिल्म निर्माता कुश सिन्हा ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'निकिता रॉय' में बहन सोनाक्षी सिन्हा को मुख्य भूमिका में चुनने की वजह बताई। कुश ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पूरी तरह से सोनाक्षी के टैलेंट और योग्यता पर आधारित था। बातचीत में कुश ने बताया, मेरे लिए सोनाक्षी इस किरदार के लिए सबसे सही थीं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय की विविधता कमाल की है। उनकी फिल्में 'अकीरा', 'लुटेरा' और 'दबंग' में उनका काम देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके पास कमाल के एक्टिंग स्किल्स हैं। वह किरदारों में गहराई से उतरती हैं और स्क्रीन पर शानदार तरीके से निभाती हैं। उन्होंने आगे बताया कि शुरू से ही उन्हें यकीन था कि सोनाक्षी 'निकिता रॉय' के किरदार को जीवंत कर देंगी, वह इस रोल के लिए परफेक्ट हैं। फिल्म 'निकिता रॉय' को निर्देशित करने की प्रेरणा के बारे में कुश ने कहा, मुझे इसकी कहानी ने आकर्षित किया। यह कहानी नई है, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। फिल्म के हर एक किरदार जैसे निकिता रॉय, जॉली, अमरदेव और फ्रेया में कुछ न कुछ बेहद खास है, जब किरदार मजबूत होते हैं, तो कहानी अपने आप दमदार बन जाती है। यही इस प्रोजेक्ट को खास बनाता है। उन्होंने बताया, सबसे मुश्किल काम स्क्रिप्ट को बेहतर बनाना था। पवन कृपालानी ने शानदार स्क्रिप्ट लिखी, लेकिन हमें इसे और गहरा करना था। स्क्रिप्ट को फिर से लिखना और उसे निखारना रचनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।